वर्ष : 27 | अंक : 123 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 24 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

आज की खबर आज तक

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक

वेबसाइट व X अकाउंट ब्लॉक, अटारी बॉर्डर सील, सिंधु का पानी रोका

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक शुरू कर दी है। हमले में 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की जान गई थी। इस हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) की एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने के लिए 5 अहम फैसले हुए। इन फैसलों के बाद भारत ने सिंधु नदी समझौता स्थगित कर दिया है। बाघा बॉर्डर को सील कर दिया है साथ ही बाघा बॉर्डर पर वीटिंग रिट्रीट को भी रदद करने पर विचार चल रहा है। इसके साथ्थ ही पाकिस्तान का भारत में एक्स अकाउंट व वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया गया है।

भारत ने पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट की देश में पहुंच को रोक दिया है यानी पाकिस्तान सरकार का एक्स हैंडल भारत में नहीं दिखेगा और ना ही उसके कोई पोस्ट नजर आएंगे हालांकि पाकिस्तान और भारत के बाहर अन्य देशों में यह अकाउंट एक्टिव दिखेगा। एक्स हैंडल के अलावा पाकिस्तान सरकार की आधिकारिक वेबसाइट को भी भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। भारत में https://pakistan.gov.pk/ को एक्सेस नहीं किया जा सकता है। यह कदम CCS की बैठक के बाद उठाया गया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार शाम प्रेस वार्ता में बताया कि भारत और पाकिस्तान दोनों अपने उच्चायोगों में कार्यरत स्टाफ की संख्या को घटाकर 55 से 30 कर रहे हैं। यह प्रक्रिया 1 मई तक पूरी कर ली जाएगी।

उधर पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में गुरुवार को एंटी टेरर एक्शन फोरम और भाजपा कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं पहलगाम हमले के आरोपी दहशतगर्दों की तलाश में भारतीय सेना सर्च ऑपरेशन चला रही है। सेना का यह **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

भारत द्वारा एसवीईएस वीजा के तहत भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे की समय सीमा घोषित करने के बाद, एक पाकिस्तानी नागरिक अपने परिवार के साथ अटारी-बाघा सीमा के माध्यम से अपने देश के लिए रवाना होता हुआ।

पुंछ और उधमपुर में सेना का आपरेशन, जवान शहीद

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के उधमपुर में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। इस मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया है। पुंछ में भी सुरक्षाबलों द्वारा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू कश्मीर पुलिस ने आज उधमपुर के बसंतगढ़ में संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया था। दोनों ओर से भारी गोलीबारी हो रही है। यह मुठभेड़ उधमपुर के डूडू में हो रही है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ में सेना का एक जवान बलिदान हो गया है। सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की गई, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना और सुरक्षाबल आतंकियों की तलाश में जुटे हैं।

अमेरिकी नागरिकों के लिए एडवाइजरी

अमेरिकी विदेश विभाग ने नागरिकों को जम्मू-कश्मीर की यात्रा न करने की सलाह दी है। इसमें कहा गया है कि पहलगाम में एक आतंकी हमले के बाद भारत के कई शहर हाई अलर्ट पर हैं। अमेरिकी नागरिकों को याद दिलाया जाता है कि विदेश विभाग ने जम्मू और कश्मीर के लिए यात्रा न करने की सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में आतंकी हमले और हिंसक नागरिक अशांति संभव है। इस राज्य की यात्रा न करें (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और इसकी राजधानी लेह की यात्राओं को छोड़कर)। इस क्षेत्र में हिंसा छिटपुट रूप से होती है और भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आम है।

आज दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की शुरुआत में कांग्रेस नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा।

आतंक के ताबूत में हम अंतिम कील ठोकेंगे : मुख्यमंत्री

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्नियों के सामने कोई उनका सिंदूर उजाड़े ये हम स्वीकार नहीं कर सकते। किसी भी सभ्य समाज में ऐसा नहीं होता खासतौर पर भारत के अंदर तो यह कतई स्वीकार नहीं है। शुभम का अंतिम संस्कार आज उनके पैतृक गांव हाथीपुर में किया गया।

शुभम द्विवेदी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुभम के परिजनों ने कहा कि हमें कड़ा बदला चाहिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में जो हुआ वह क्रूर, वीभत्स, कायराना कृत्य है। उन्होंने कहा कि न केवल देश ने बल्कि दुनिया के हर सभ्य समाज ने इसकी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना बताती है कि आतंकवाद खात्मे की ओर है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद अपनी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

खालिस्तानी आतंकी 30 साल बाद गिरफ्तार

एसटीएफ नोएडा यूनिट ने अमृतसर में पकड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एटीएस को बड़ी कामयाबी मिली है। उत्तर प्रदेश एटीएस की नोएडा यूनिट ने खालिस्तान कमांडो फोर्स के एक कुख्यात आतंकवादी मंगत सिंह उर्फ मंगा को गिरफ्तार किया है। मंगत सिंह पिछले 30 सालों से फरार था। गाजियाबाद पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम रखा था। एटीएस की नोएडा यूनिट ने खुफिया जानकारी के आधार पर उसे पंजाब के अमृतसर से पकड़ा है। मंगत सिंह पर 1993 में गाजियाबाद के साहिबाबाद थाने में टाडा (TADA) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मंगत सिंह को 1995 में जमानत मिल गई थी। लेकिन, इसके बाद वह भाग गया और कानून से छिपता रहा। एटीएस को जानकारी मिली थी कि मंगत सिंह पंजाब में छिपा हुआ है। इसके बाद टीम ने अमृतसर में छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल उससे

पूछताछ चल रही है। एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि पिछले 30 सालों में उसने किन लोगों से संपर्क रखा और क्या वह किसी आतंकी गतिविधि में शामिल था।

मंगत सिंह का खालिस्तान कमांडो फोर्स जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से सीधा संबंध था। उसका भाई संगत सिंह भी इसी संगठन से जुड़ा था। संगत सिंह को 1990 में पंजाब पुलिस ने एक मुठभेड़ में मार गिराया था। मंगत सिंह ने अपनी पहचान और ठिकाना छिपाकर पिछले कई सालों से अमृतसर में शरण ले रखी थी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद फिर चर्चा में आई सीमा हैदर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में रहने वाली पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर एक बार फिर चर्चा में आ गई है। दरअसल भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ एक बड़ा और कड़ा फैसला लेते हुए सार्क वीजा छूट **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नोएडा के सुपरटेक एमरल्ड कोर्ट में निवासियों द्वारा पहलगाम नरसंहार के विरोध में कैंडल मार्च निकाला गया। सोसायटी के निवासियों ने सरकार से दोषियों के खिलाफ़ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की अपील की। कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

FIITJEE पर ED का बड़ा एक्शन

डीके गोयल के ठिकानों पर छापे

नोएडा (चेतना मंच)। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने FIITJEE के 10 ठिकानों पर छापेमारी की है। FIITJEE के मालिक डीके गोयल के दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है। फिटजी ने हजारों बच्चों का कैरियर बर्बाद किया है। फिटजी ने बच्चों से लाखों की फीस वसूली और अपने सेंटर बंद कर दिये।

फिटजी के सैंकड़ों सेंटर बंद होने से 12000 बच्चों का भविष्य अधर में लटका हुआ है और इसके मालिकों को 12 करोड़ का फायदा हुआ है। इससे पहले फरवरी में नोएडा पुलिस ने फिटजी से जुड़े खातों को सीज कर दिया था। फिटजी के मालिक डीके गोयल से जुड़े खातों में 11 करोड़ 11 लाख रुपये सीज किए गए थे।

FIITJEE कोचिंग संस्थान के बंद होने के मामले में नोएडा पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की थी। संस्थान के संचालकों पर मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने FIITJEE से जुड़े बैंक खातों को सीज कर दिया था। कई बैंक खातों को फ्रीज

किया गया था।

थाना सेक्टर 58 मेंFIITJEE के मालिक दिनेश गोयल और अन्य संचालकों पर क्लासेस बंद होने के बाद मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में दिनेश गोयल सहित 8 लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश (क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी) और विश्वासघात (क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट) जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे।

इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले चर्चित कोचिंग संस्थान फिटजी (FIITJEE) के कई सेंटर अचानक बंद होने की खबर सामने आई थी। कई सेंटर भी बंद किए गए थे। पिछले कुछ समय से कर्मचारियों को वेतन नहीं दिए जाने से इस प्रमुख कोचिंग संस्थान की स्थिरता और अस्तित्व पर सवाल उठ रहे थे।

ADMISSION OPEN
SARASWATI
GLOBAL
SCHOOL
NCERT
BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

लोक लुभावन वायदे

सही मायनों में हमें हर किसी मुफ्त चीज की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही सिद्धांत किसी देश व राज्य की अर्थव्यवस्था पर भी लागू होता है। लोकलुभावन राजनीति के चलते वोट जुटाने के लिये जिन मुफ्त की योजनाओं को पंजाब में लागू किया गया, उसने राज्य की तरक्की की गति को कुंद ही बना दिया है। वैसे भी देखा जाए तो किसानों को लुभाने के लिये पंजाब में जो मुफ्त बिजली का खेल खेला गया था, वह कृषि के विकास में सहायक साबित नहीं हो रहा है। सही मायनों में यह लोकलुभावन दांव जड़ता का प्रतीक बनकर रह गया है। वर्ष 1997 में छोटे किसानों के लिये लिए शुरू किया गया बिजली सब्सिडी खेल, महज वोट बटोरने का साधन बनकर रह गया है। सच बात तो यह है कि कोई भी राजनीतिक दल ऐसी मुफ्त की सुविधाओं को, वोट कटने की आशंका के चलते बंद करने का जोखिम भी नहीं उठाता। यह विडंबना ही है कि जिस धन को कृषि की तरक्की, ऊर्जा के बेहतर उपयोग तथा सार्वजनिक जवाबदेही से जुड़े संरचनात्मक विकास के लिये खर्च किया जाना चाहिए था, उसे सब्सिडी के रूप में व्यय किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि यह सब्सिडी राज्य की वित्तीय सेहत के लिये घातक साबित हो रही है। विडंबना यह है कि इस वित्तीय वर्ष में बिजली सब्सिडी पर होने वाला व्यय करीब साढ़े बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक होने वाला है। चिंता की बात यह भी है कि यह धनराशि पंजाब के पूरे बजट का दस फीसदी के करीब बैठती है। इस सब्सिडी की राशि में से दस हजार करोड़ रुपये कृषि क्षेत्र के लिये और सात हजार छह सौ करोड़ रुपये घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिये निर्धारित हैं। आश्चर्य की बात यह है कि लोगों को लुभाने के लिये दी जा रही सब्सिडी की यह राशि अब राज्य के राजस्व घाटे के बराबर हो गई है। इसके बावजूद यह स्थिति यदि राज्य के नीति-नियंताओं को विचलित नहीं करती है, तो इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विडंबना यह है कि राज्य में मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का काम सभी राजनीतिक दलों की सरकारों ने पार्टी लाइन से हटकर हर दौर में किया। घाटे की अर्थव्यवस्था को प्रश्रय देने वाली इस नीति को न केवल जारी रखा, बल्कि इसे प्रोत्साहित भी किया । वे मुखर कृषि लॉबी के दबाव में लगातार झुकते रहे। राजनेता दूरगामी व समग्र सुधार के बजाय मुफ्त में पैसे बांटकर चुनावी लाभ हासिल करने की होड़ में जुटे रहे। वहीं आप सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं के लिये तीन सौ यूनिट तक की बिजली मुफ्त करने से सब्सिडी का संकट और गहरा ही हुआ है। करीब नब्बे प्रतिशत तक परिवारों का बिजली बिल शून्य है। ऐसे में बिजली बचत या उपयोग की गई बिजली का भुगतान करने को प्रोत्साहन लगभग समाप्त हो गया है। अब तो पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने की स्थिति में भी नहीं है। इतना ही नहीं पीएसपीसीएल दो हजार करोड़ रुपये की वार्षिक बिजली चोरी की चुनौती से भी जूझ रहा है। सरकार द्वारा दिए गए करीब चार हजार करोड़ रुपये के बेलआउट के बावजूद पीएसपीसीएल भारी घाटे में चल रहा है। राज्य के विकास में सहायक संस्थानों को मजबूत करने या स्थायी सिंचाई योजनाओं में निवेश के करने के बजाय, राज्य सरकारें वोटों के लालच में मुफ्त की रेवाड़ियां बांटने का उपक्रम करती रही हैं, जिसका खर्चा वहन करना उनके बूते की बात नहीं है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि मुफ्त का चंदन बांटने का यह उपक्रम जितने लंबे समय तक चलेगा, उतने ही समय तक पंजाब की अर्थव्यवस्था में प्राणवायु का संचार करना, नये निवेश को आकर्षित करना तथा नये नौकरियों का सृजन करना और ज्यादा कठिन होता चला जाएगा। इसमें दो राय नहीं कि राज्य नेतृत्व को रियायतें देने के बजाय राज्य में विकास के बुनियादी ढांचे के निर्माण की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पंजाब को तय करना होगा कि वह बिजली पर सब्सिडी जारी रखेगा या अपने भविष्य को सशक्त बनाने को प्राथमिकता देगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि फिर कृपानिधान भगवान बोले- मुझे अत्यन्त प्रसन्न जानकर और बड़ा भारी दानी मानकर, जो मन को भाए वही वर माँग लो॥ कि उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुनि प्रभु बचन जोरि जुग पानी। धरि धीरजु बोली मृदु बानी॥
नाथ देखि पद कमल तुम्हारे। अब पूरे सब काम हमारे॥

प्रभु के वचन सुनकर, दोनों हाथ जोड़कर और धीरज धरकर राजा ने कोमल वाणी कही- हे नाथ! आपके चरणकमलों को देखकर अब हमारी सारी मन:कामनाएँ पूरी हो गईं॥

एक लालसा बड़ि उर माहीं। सुगम अगम कहि जाति सो नाहीं॥
तुम्हहि देत अति सुगम गोसाईं। अगम लाग मोहि निज कृपनाईं॥

फिर भी मन में एक बड़ी लालसा है। उसका पूरा होना सहज भी है और अत्यन्त कठिन भी, इसी से उसे कहते नहीं बनता। हे स्वामी! आपके लिए तो उसका पूरा करना बहुत सहज है, पर मुझे अपनी कृपणता (दीनता) के कारण वह अत्यन्त कठिन मालूम होता है॥

जथा दरिद्र बिबुधतरु पाई। बहु संपति मागत सकुचाई॥
तासु प्रभाउ जान नहिं सोई। तथा हृदयँ मम संसय होई॥

जैसे कोई दरिद्र कल्पवृक्ष को पाकर भी अधिक द्रव्य माँगने में संकोच करता है, क्योंकि वह उसके प्रभाव को नहीं जानता, वैसे ही मेरे हृदय में संशय हो रहा है॥

(क्रमश:...)

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फार्मूले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेज़ी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फार्मूले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फार्मूले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत

करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फार्मूले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में हिन्दी को नहीं मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

छात्रों में तनाव कैसे रोकें

माता-पिता अपने अधूरे सपने बच्चों से पूर्ण करवाना चाहते हैं। समाज में बाकी सबके बच्चों से ज्यादा होशियार अपना बच्चा होना चाहिए, ऐसी जिद्द करते हैं और ऐसा करने के पीछे बेहिसाब खर्च करते हैं, लेकिन अपने बच्चे की क्षमता और उसकी रुचि की तरफ ध्यान ही नहीं देते। सख्ती पहले भी होती थी, लेकिन वह व्यवहार को नियंत्रित करने का प्रयास रहता था। शिक्षा के लिए सख्ती कम रहती थी। इनसान बेहतर हो, व्यवहार बेहतर हो, मूल्यों के लिए सख्ती अपनी सीमाएं लांघ जाती थी। यह शारीरिक दंड के रूप में प्रचलित थी। अपशब्दों के प्रयोग के रूप में भी अपनाई गई थी। तनाव का एक निश्चित स्तर सामान्य है।

स्कूल बदलने और नए दोस्तों से मिलने जैसी घटनाओं से सकारात्मक तनाव प्रतिक्रियाएं वास्तव में छात्रों को सीखने और बढने में मदद कर सकती हैं। लेकिन जब भावनाओं को प्रबंधित करने के उपकरणों के बिना बार-बार तनावपूर्ण घटनाओं का सामना करना पड़ता है, तो तनाव भावनात्मक और शारीरिक रूप से विषाक्त हो सकता है। यह मार्गदर्शिका प्राथमिक विद्यालय से लेकर कॉलेज तक के छात्रों में तनाव के लक्षणों की व्याख्या करती है। एक विद्यार्थी का जीवन तनावपूर्ण हो सकता है। होमवर्क, सामाजिक जीवन, माता-पिता का दबाव, विश्वविद्यालय के आवेदन और कभी न खत्म होने वाले कार्यभार जैसे कारक तनाव उत्पन्न करते हैं। हालांकि शोध से पता चलता है कि मध्यम मात्रा में तनाव फायदेमंद हो सकता है और छात्रों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरक के रूप में कार्य कर सकता है, लेकिन बहुत अधिक तनाव उनके समग्र कल्याण को प्रभावित कर सकता है। स्कूलों में रोजमर्रा के तनाव को प्रबंधित करने के लिए छह युक्तियां हैं।

एक, अपनी मानसिकता बदलें = आपको जो काम करने की जरूरत है, उस पर नकारात्मक दृष्टिकोण रखने के बजाय, उन्हें सीखने और सुधार करने के अवसर के रूप में मानें। हां, कुछ कार्य उबाऊ या बोझिल हो सकते हैं और हम आपसे आपके सामने आने वाले तनाव को कम करने के लिए नहीं कह रहे हैं। यह कठिन परिस्थितियों के बारे में आपकी धारणा को बदलने और उन सभी चीजों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय

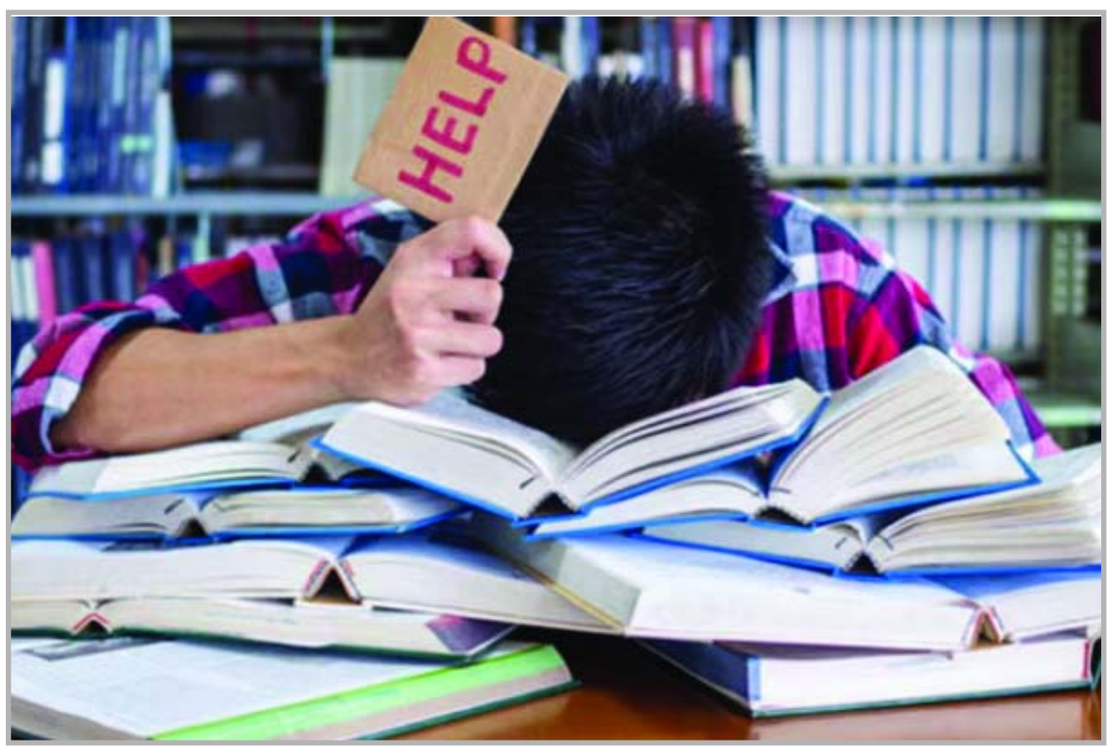

सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में है, जो गलत हो सकती हैं। दो, व्यायाम = व्यायाम तनाव के स्तर को कम करने का एक प्रभावी तरीका है।

शारीरिक गतिविधि एंडोर्फिन-न्यूरोट्रांसमीटर पैदा करती है जो शरीर में दर्द और तनाव से राहत दिलाती है। शोध से पता चलता है कि व्यायाम तनाव के नकारात्मक प्रभावों जैसे एकाग्रता और थकान का प्रतिकार कर सकता है। तीन, टालना बंद करें = अपने तनाव के स्तर को कम करने के लिए, आपको काम को टालना बंद करना होगा। 50 फीसदी छात्र समस्याग्रस्त विलंब व्यवहार में संलग्न होने की रिपोर्ट करते हैं जो उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को बाधित करते हैं। कार्यों को उनकी समय सीमा से पहले पूरा करके, आप अपने सामने आने वाली तनावपूर्ण स्थितियों को नियंत्रित और सीमित कर सकते हैं। चार, नींद की दिनचर्या विकसित करें = नींद और मूड साथ-साथ चलते हैं। इसलिए जब हम थके हुए होते हैं, तो हम अपने परिवेश को अधिक नकारात्मक रूप से देख सकते हैं। जो छात्र नियमित रूप से बेहतर नींद की गुणवत्ता की रिपोर्ट करते हैं, उनका शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर पाया गया है। सोने का एक नियमित समय निर्धारित करें। पांच, संवाद करें = यदि आप तनाव महसूस कर रहे हैं, तो अपनों से बात करें। छह, समय प्रबंधन = छात्रों को समय का बेहतर प्रबंधन भी सीखना होगा।

-प्रो. मनोज डोगरा

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष एकादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम, संतान का साथ।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ मिलेगा। कोर्ट कचहरी में विजय होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भाग्यवश काम बनेंगे। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर नीचे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
थोड़ा ध्यान देकर के चलें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आनंददायक दिन गुजारेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्यों में विघ्न बाधा रहेगी लेकिन विघ्न बाधा के साथ संपन्न भी हो जाएंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करें। भावनाओं पर काबू रखें। प्रेम में तू तू मैं मैं से बचें। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
गृह कलह के संकेत हैं। भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी लेकिन थोड़ा तनाव के साथ।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यापारिक सुदृढ़ता बढ़ेगी। स्वास्थ्य ठीक है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
लिक्विड फंड में बढ़ोतरी होगी। अपनों का साथ होगा। निवेश वर्जित रहेगा। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन परेशान रहेगा। बच्चों से दूरी, प्रेम में दूरी। स्वास्थ्य मध्यम।

किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा ने पहलगाम आतंकवादी घटना के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना के विरोध में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन एसीपी फर्स्ट ग्रेटर नोएडा को सौंपा और कैंडल मार्च निकाला।

इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान ने कहा कि पहलगाम की घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। घटना में शामिल सभी आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर एक मिसाल पेश की जानी चाहिए, जिससे देश के दुश्मनों को सबक मिल सके। संगठन इस घटना की घोर निंदा करता है।

संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेश भाटी ने कहा कि भारत सरकार को आतंकवादियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी होगी और पाकिस्तान को भी सबक सिखाना होगा, तभी इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि पूरा देश शोक में डूबा हुआ है, चारों ओर गुस्सा है और सभी लोग सरकार की कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं। संगठन इस दु:ख की घड़ी में आतंकवादी घटना में अपनों को खोने वालों के साथ खड़ा है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है। संगठन सरकार से मांग करता है कि आतंकवादियों को जल्द से जल्द मुँहतोड़ जवाब दिया जाए।

इस मौके पर डॉ. विकास प्रधान, बृजेश भाटी, संजय कसाना, लोकेश भाटी, कृष्ण नागर, आलोक नागर, एडवोकेट अर्चना सिंह, विनोद मलिक, सरोज भाटी, राजकुमार रूपबास, शुभम चेची, अशोक भाटी, आशु अट्टा, मनीष नागर, संध्या निक्की भाटी, कपिल कसाना, हरेंद्र नागर, जगत बीडीसी, अनुज नागर, कननू जाट, भारत नागर, विनोद कसाना, जय चेची, नरेंद्र भाटी, हरेंद्र तोगढ़, रवि नागर, शिवम चेची सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बीएचईएल में सीटू ने शुरू किया धरना प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, प्लॉट संख्या-25, सेक्टर-16 के प्रबंधन द्वारा वर्षों से संस्थान में स्थायी रूप से कार्यरत श्रमिकों का लगातार आर्थिक शोषण और उत्पीड़न किए जाने, लागू वेतनमान का भुगतान न किए जाने तथा इस अन्याय के खिलाफ संगठित होकर आवाज उठाने पर 17 से 21 अप्रैल 2025 के बीच 16 कर्मचारियों को गैरकानूनी रूप से नौकरी से निकाले जाने के विरोध में 23 अप्रैल 2025 को प्रात: 8:30 बजे से कर्मचारियों ने धरना शुरू किया, जो दिनभर जारी रहा।

यूनियन नेता रणजीत सिंह ने बताया कि जब तक प्रबंधन सभी श्रमिकों को पुन: कार्य पर नहीं लेता, तब तक कर्मचारी संस्थान के सामने ड्यूटी पर आते-जाते समय और ड्यूटी समाप्त होने के उपरांत कंपनी के मुख्य द्वार पर गेट मीटिंग, नारेबाजी, और धरना प्रदर्शन करते रहेंगे। सभी निकाले गए श्रमिक कांट्रैक्ट लेबर इम्प्लॉइज यूनियन सीटू के झंडे-बैनर के साथ प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक धरना देंगे।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू के जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा और महासचिव रामसागर ने कहा कि यदि कंपनी प्रबंधन निकाले गए कर्मचारियों को समुचित क्षतिपूर्ति सहित कार्य पर पुन: बहाल नहीं करता है, तो तय कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन संस्थान के समक्ष आंदोलन जारी रहेगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी संस्थान के प्रबंधन की होगी।

प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गौतमबुद्धनगर की जिला कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक तुगलपुर स्थित शिक्षक भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने की। जबकि संचालन जिला मंत्री गजन भाटी द्वारा किया गया। यह बैठक मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी के निर्देशन में सम्पन्न हुई।

बैठक में हाल ही में सम्पन्न प्रदेश स्तरीय बैठक की विस्तृत जानकारी दी गई। चर्चा के दौरान यह निर्णय लिया गया कि शिक्षकों की प्रमुख समस्याओं और मांगों को लेकर आगामी 1 मई 2025 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एक विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्य मांगे पुरानी पेंशन योजना की बहाली, विद्यालय समय में संशोधन, पदोन्नति एवं चयन वेतनमान, अंतरजनपदीय एवं अंतर्जनपदीय स्थानांतरण, मानव संपदा पोर्टल से संबंधित समस्याएं, सामूहिक बीमा योजना में सुधार आदि।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उपरोक्त के अलावा अन्य समस्याओं को भी धरने में प्रमुखता से उठाया जाएगा, और इसके लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है। बैठक में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। संघ की ओर से इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति हेतु मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी, जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी, जिला संरक्षक अशोक शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष दादरी रवि भाटी, स्वेता वर्मा, मृदुला शुक्ला, समरेश रावल, सुरेश नागर, मो. असलम, ब्लॉक अध्यक्ष जेवर हेमराज शर्मा, रजनी यादव, ब्लॉक अध्यक्ष दनकौर सतीश पेलवान, रामकुमार शर्मा, रौदास, अतुल उपाध्याय, विनोद ठाकुर, हेमंत कुमार, शशि मिश्रा, प्रीति पांडेय, कल्पना शर्मा, बृजेश पाल, राजीव शर्मा, अमर भाटी, अन्नू शर्मा, मीना यादव, सरिता यादव, माला बजाज, चित्रा पाठक, रेखा, ब्लॉक अध्यक्ष बिसरख स्मिता सिंह, शिप्रा, लता पाठक आदि लोग उपस्थित रहे।

कायर आतंकियों को मिलेगी सख्त सजा : भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पहलगाम हमले को लेकर पूरे देश में आक्रोश है। आतंकवादियों के खिलाफ सरकार सख्त से सख्त कार्रवाई कर रही है। ऐसे आतंकवादियों को कड़ी सजा देने से सरकार पीछे नहीं हटेगी, यह बात भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष और गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रणीत भाटी ने एक बातचीत के दौरान कही है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों की हत्या की है, उसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह आतंकवाद पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित है। प्रणीत भाटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आतंकवाद के खिलाफ शुरू से ही अडिग रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मृतकों के परिवारों को असली सांत्वना तब मिलेगी जब हत्या में शामिल आतंकवादियों को सजा मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश पहलगाम घटना से शोक में डूबा हुआ है। आतंकवादियों द्वारा जिस तरह से पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बना कर उनकी हत्या की गई, वह हर किसी की निंदा का कारण है और लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले ने देश-विदेश को हिलाकर रख दिया है, और सभी लोग इस घटना से गमगीन हैं।

कायराना हमले को दिया जाएगा मुंहतोड जवाब : प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पहलगाम में हुई आतंकी घटना न केवल मानवता पर हमला है, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की अखंडता को चुनौती देने का दुस्साहस भी है। आतंकियों द्वारा हिंदू समाज के लोगों की पहचान पूछकर उन्हें निशाना बनाना यह दर्शाता है कि यह कायराना हमला धार्मिक विद्वेष की मानसिकता से प्रेरित है। यह बात हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष चैनपाल प्रधान ने दी है।

चैनपाल प्रधान ने कहा कि हम भारत की सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, भारतीय सेना और सुरक्षाबलों से अपेक्षा करते हैं कि वे इस हमले का माकूल जवाब देकर देशवासियों को यह भरोसा दिलाएं कि भारत की सरज़मीं पर आतंक को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारतीय धरोहर विचार मंडल द्वारा नि:शुल्क आयुर्वेदिक ओपीडी का शुभारंभ 25 को

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय धरोहर विचार मंडल द्वारा संचालित नि:शुल्क आयुर्वेदिक ओपीडी का उद्घाटन आगामी 25 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे विधिवत हवन के साथ किया जाएगा। यह ओपीडी आम जनता को प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद की निशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराएगी।

इस अवसर पर विशेष रूप से प्रो. महेश व्यास, डीन, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान तथा श्री विजय शंकर तिवारी, महामंत्री, भारतीय धरोहर, अपने विचार प्रस्तुत करेंगे और आयुर्वेद की उपयोगिता व महत्व पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम के आयोजक नरेश कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, भारतीय धरोहर विचार मंडल, ग्रेटर नोएडा ने जानकारी देते हुए सभी नागरिकों से कार्यक्रम में सादर उपस्थित होने की अपील की है। कार्यक्रम के उपरांत दोपहर 12 बजे सभी आमंत्रित अतिथियों के लिए सामूहिक भोजन की भी व्यवस्था की गई है।

डिफेंडर वाला ठग नेता जिले में बना चर्चा का विषय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। तुगलपुर निवासी एक तथाकथित भाजपा नेता पर पहले इनकम टैक्स के छापे के बाद 24 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगा है। यह मामला नोएडा सेक्टर-63 थाने में पिछले गत महीने दर्ज किया गया था, लेकिन अब तक पुलिस ने आरोपी नेता की गिरफ्तारी नहीं की है।

ग्रेटर नोएडा के तुगलपुर गांव के निवासी इस भाजपा नेता और उनके छोटे भाई ने आगरा के एक व्यापारी से जमीन दिलाने के बदले 24 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। व्यापारी ने इन दोनों भाइयों को 24 करोड़ रुपये दे तो दिए, लेकिन जब जमीन की बात आई तो दोनों भाइयों ने आना-कानी करने लगे। इसके बाद व्यापारी ने मामले की शिकायत पुलिस के बड़े अधिकारियों से उसके बाद मामला सेक्टर-63 थाने में दोनों भाईयों के खिलाफ दर्ज किया गया। इसके बावजूद, भाजपा नेता और उनके छोटे भाई की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपराधियों और ठगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं इस ठग नेता को आखिर कौन बचा रहा है, यह सवाल सबके जेहन में है।

यह घटना जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जाता है कि उक्त ठग नेता के साथ 10-10 बाउंसर रहते हैं। व्यापारी अब भी 24 करोड़ रुपये पाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है।

जब ठग नेता ने डिफेन्डर गाड़ी खरीदी थी उसके 10 दिन बाद ही इन्कम टैक्स ने उनके गामा-2 एवं तुगलपुर आवास पर भी छापेमारी की थी। लेकिन अब ठग नेता मज ले रहा है और 24 करोड़ गंवाकर व्यापारी दर-दर भटक रहा है।

किसान चौपाल में नैनो यूरिया प्लस के फायदे बताए

फूलपुर (ब्यूरो)। इफको फूलपुर इकाई की टीम ने स्थानीय गाँव कनौजा कला ग्रामप्रधान -राकेश यादव के नेतृत्व में पंचायत भवन में किसान चौपाल लगाई जिसमें किसानों को धान की फसल पर नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग विधि के बारे में बताया।

टीम ने छिड़काव की विधि, इसकी मात्रा तथा इसके लाभ के बारे में बताया। वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय वैश्य ने किसानों से वार्ता की तथा कहा कि नैनो यूर्वरक फसल की पैदावार बढ़ाने में सहायक है। अत: इसका अधिक से अधिक प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जमीन एक हिस्से में नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी का अवश्य प्रयोग करें तथा अंतर देखे। उन्होने कहा कि आप सभी किसान इसका प्रयोग करें और यदि कोई समस्या हो तो हमारी टीम से सम्पर्क करें, हम तुरंत मदद मुहैया करवायेंगे। इस वर्ष इफको की तरफ से नि:शुल्क ड्रोन उपलब्ध कराने की घोषणा की। नैनो उर्वरक के बारे में जागरूकता अति आवश्यक है। चौपाल में किसानों ने नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रति उत्साह दिखाया।

इस दौरान कोर्डेट प्रचार्य डॉ हरिशचन्द्र, जनसम्पर्क अधिकारी स्वयम् प्रकाश, प्रबंधक प्रशिक्षण अनुराग तिवारी, राजेश सिंह किसान मनोज कुमार, राजेन्द्र, अरविंद पटेल मौजूद रहे।

पहलगाम हमले के विरोध में भाजयुमो का मशॉल जुलूस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में जनआक्रोश फूट पड़ा है। इस हमले के विरोध में ग्रेटर नोएडा के कॉमर्शियल बेल्ट से परी चौक तक कैंडल मार्च निकाला गया। जिसमें शामिल लोगों ने इस हमले के विरोध में अपना आक्रोश व्यक्त किया।

भाजयुमो में पूर्व जिलाध्यक्ष अन्नू पंडित के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया जिसमें सैकड़ों युवाओं ने आतंकियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

भाजयुमो ने इस आतंकवादी घटना के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए परी चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व पूर्व जिला अध्यक्ष भाजयुमो के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तिरंगे और देशभक्ति के नारों से लिखी तख्तियां लिए हुए पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष भाजयुमो अन्नू पंडित ने कहा कि भारत अब ऐसे हमलों को सहन नहीं कर सकता। हमें एक स्पष्ट और कड़ा जवाब देना होगा ताकि पाकिस्तान और उसके आतंकी गुर्गों की रूह कांप जाए।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर सरकार ने ठोस और निर्णायक कदम नहीं उठाए तो ऐसे हमलों की पुनरावृत्ति होती रहेगी। पाकिस्तान की नापाक हरकतों पर गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि अब वक्त आ गया है कि आम जनता भी जागरूक होकर आतंक के खिलाफ सड़कों पर उतरे।

मशॉल जुलूस में श्रीचंद सेन, संदीप गोयल,रवि मावी,शिवा भाटी ,राजेश पांडे,मोहित भाटी,अवनीश,रवि पाली,सागर पाली,आयुष चौबे, अमृत राज, दानिश मावी, हर्ष ढाका, अमन यादव, अभय तोमर, मोहित, पवन यादव सहित बड़ी संख्या में युवा व ग्रेटर नोएडा के वासी शामिल हुए।

पहलगाम के नरसंहार के विरोध में पाकिस्तान का पुतला फुकेगा मुस्लिम समाज

नोएडा (चेतना मंच)। कश्मीर के पहलगाम में हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ मुसलमान में भी काफी आक्रोश है। आज सेक्टर 12/22 पर मुस्लिम समाज के लोग इस हादसे की विरोध में जहां कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि देंगे। वहीं पाकिस्तान का पुतला भी शाम को 5 फूंका जायेगा। इसके पूर्व सेक्टर-12/22 की लालबत्ती नोएडा पर पसमांदा मुस्लिम समाज के लोग एकजुट होकर जम्मू एंड कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का विरोध प्रदर्शन एवं कैंडल मार्च करेंगे। इसके बाद सभी लोग सेक्टर-12/22 से पैदल विरोध मार्च करते हुए सेक्टर-19 टेलीफोन एक्सचेंज पहुंचेंगे तथा वहां पर पाकिस्तान का पुतला फूकेंगे। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले एहसान खान ने बताया कि पहलगाम में हुए नरसंहार के खिलाफ मुसलमान में भी काफी आक्रोश व्याप्त है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

नोएडा के सेक्टर-5 में शरबत वितरण करते हुए नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह तथा (ओएसडी) एमपी सिंह व अन्य अधिकारी।

पृष्ठ एक के शेष....

पाकिस्तान पर...

ऑपरेशन बिजबिहाड़, त्राल, पुंज तथा उधमपुर में चलाया जा रहा है। आज केन्द्र सरकार ने शाम 6 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है जिसकी अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

आतंक के ताबूत में हम...

अंतिम सांस ले रहा है। धर्म पूछकर मारा गया ये देश में स्वीकार नहीं किया जाएगा। हम आतंक के ताबूत पर अंतिम कील ठोकेंगे। आतंकियों को कठोर सजा देंगे। सीएम योगी ने कहा कि हम आतंकियों में वोट बैंक नहीं देखते। हम इनके विषैले फन को कुचले डालेंगे। आतंकवाद किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने कहा कि ये डबल इंजन की सरकार है। यहां कोई भी इस तरह की हरकत करके बच नहीं सकता। इससे पहले देर रात उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान और मंत्री योगेश शुक्ला ने शुभम के शव को खुद कांधा देकर एंबुलेंस से घर तक पहुंचाया। लखनऊ एयरपोर्ट पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शुभम के पिता से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि शुभम की मृत्यु का बदला भारत अवश्य लेगा। उन्होंने कहा कि आपकी वेदना हम सभी की वेदना है, शुभम आपका पुत्र ही नहीं बल्कि भारत का बेटा है, प्रदेश का बेटा है, आतंकवादियों को ऐसी मौत मिलेगी की उनकी रूह कांप जाएगी।

पहलगाम आतंकी हमले...

की नीति के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को दी जा रही सुविधा समाप्त कर दी है और उन्हें 48 घंटे के अंदर भारत छोड़ने के निर्देश दिए हैं।

इस फैसले के बाद सीमा हैदर एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई हैं। पाकिस्तान की सीमा हैदर मई 2023 में नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत आई थीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें पाकिस्तान भेजने की मांग की है।

आपको बता दें कि ऑनलाइन गेम पब्जी के जरिए ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में रहने वाले सचिन मीणा से जुड़ीं और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। इसके बाद सीमा अपने चार बच्चों के साथ भारत आ गईं। अब वह सचिन के साथ नोएडा में रह रही हैं और हाल ही में दोनों को एक बेटी भी हुई है। सोशल मीडिया पर पहलगाम हमले के बाद सीमा हैदर को भी पाकिस्तान वापस भेजने की मांग उठने लगी है। सोशल मीडिया पर सक्रिय कई लोगों ने सीमा हैदर को भी पाकिस्तान भेजने की मांग की है।

वहीं पुलिस के जानकारों के मुताबिक सीमा पर कोई सीधा असर नहीं होगा। क्योंकि सीमा वीजा के जरिए भारत नहीं आई थीं, बल्कि अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत में दाखिल हुई थीं। उनके खिलाफ मामला अदालत में विचाराधीन है और जब तक कोर्ट कोई फैसला नहीं देती, तब तक उन्हें देश से निकाला नहीं जा सकता। जेवर कोतवाली पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और केंद्र सरकार से कानूनी राय भी मांगी गई है।

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर स्कीम से लाखों गरीबों को बचत में मिली मदद

3.50 लाख करोड़ का हुआ फायदा

नई दिल्ली।

भारतीय सरकार द्वारा आयोजित डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) स्कीम ने देश के करोड़ों गरीब लोगों को एक नया आशा का संदेश दिया है। एक नवीन रिपोर्ट ने बताया है कि इस स्कीम के माध्यम से कुल मिलाकर देश ने 3.48 लाख करोड़ रुपये की बचत की है। रिपोर्ट के अनुसार डीबीटी के कार्यान्वयन से पहले की तुलना में सब्सिडी का व्यय कुल व्यय के नौ प्रतिशत में घटकर आ गया है। इससे सार्वजनिक व्यय की दक्षता में एक बड़ा सुधार देखा गया है। खाद्य सब्सिडी, मनरेगा और अन्य लाभार्थियों के लिए योजनाओं में गड़बड़ियों को रोकने में डीबीटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस सफलता से देश ने एक नए दिशा दिखाई है, जो कल्याणकारी योजनाओं को अधिक कुशल, पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मामला प्रस्तुत करता है।

इससे समाज में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सकता है। डीबीटी स्कीम ने गरीब और सरकार दोनों के लिए एक सफल कदम साबित हुआ है और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य सब्सिडी (पीडीएस) के तहत 1.85 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई। यह डीबीटी के तहत कुल बचत का 53 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण आधार से जुड़े राशन कार्ड का सत्यापन है। मनरेगा में, 98 प्रतिशत मजदूरी समय पर अंतरित की गई। इससे डीबीटी-संचालित जवाबदेही के माध्यम से 42,534 करोड़ रुपये की बचत हुई। इसी प्रकार, पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत, डीबीटी के उपयोग से 2.1 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को योजना से हटाकर 22,106 करोड़ रुपये बचाने में मदद मिली है। उर्वरक सब्सिडी के तहत, 158 लाख टन उर्वरक की बिक्री कम हुई, इससे लक्षित वितरण के माध्यम से 18,699.8 करोड़ रुपये की बचत हुई।

इरडा और पीएफसी ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराएंगे

जेनसोल ने फर्जी पत्रों का इस्तेमाल करके अपने ऋणदाताओं को गुमराह किया था

नई दिल्ली।

जेनसोल इंजीनियरिंग (जीईएल) के फर्जीवाड़ा मामले को लेकर भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की नजर में आ गया है।

सूत्रों के मुताबिक, दोनों सरकारी कंपनियां इस मामले में शिकायत दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। मामले के तहत, जेनसोल ने पीएफसी और इरेडा के नाम से फर्जी पत्रों का इस्तेमाल करके अपने ऋणदाताओं को गुमराह किया था। इसके बाद कंपनी के खिलाफ अनमोल जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी के खिलाफ सेबी का अंतरिम आदेश आया था। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने भी इस मामले में कदम उठाने की घोषणा की है।

सूत्रों का कहना है कि जेनसोल ने पीएफसी और इरेडा को इस मामले के बारे में ईमेल भेजा था, परंतु जवाब नहीं मिला। इन्हें पहले ही ध्यान में आई असामान्यताओं की जानकारी मिल गई थी, जिसके बाद उनके खिलाफ कानूनी कदम उठाने का फैसला किया गया। प्रमुख सूत्र ने बताया कि पीएफसी और इरेडा ने इन आरोपों को नकारा है, लेकिन उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है ताकि मामले की सच्चाई सामने आ सके। जेनसोल के दावे के मुताबिक इस फर्जीवाड़े में कंपनी के एक कर्मचारी ने शामिल होकर किया था, और कंपनी की प्रबंधन इसके लिए जिम्मेदार नहीं थी। यह मामला भारतीय पूंजी बाजार में हलचल मचा रहा है, और आगे की जांच के बाद हो सकता है कि इसमें और भी गहराई छुपी हो।

देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सतत कार्रवाई की आवश्यकता: वित्त मंत्री

सैन फ्रांसिस्को।

भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक भावुक भाषण देकर कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सतत कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत अगले दो दशकों में एक नए मानक पर जा रहा है, जो महत्वपूर्ण सुधारों और नवाचारिक नीतियों पर आधारित होगा। उन्होंने इस लक्ष्य को साउथ कैरोलाइना राज्य के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण में उजागर किया। सीतारमण ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कई सुधार किए हैं, जैसे मानव संसाधन विकास, व्यापार कानूनों में सुधार, और डिजिटलीकरण के माध्यम से सार्वजनिक सेवाओं का मोड़ना। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दशक में निवेशकों का विश्वास जोर पकड़ रहा है और विनिर्माण आधारित वृद्धि के लिए मजबूत आधार बना रखा है। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक साझा मिशन चलाना है, जिसका लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाना है। यह मिशन एकमात्र एक आकांक्षा नहीं है, बल्कि विश्वास है कि समावेशी, टिकाऊ और नवाचार आधारित वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। सीतारमण ने अंत में कहा कि अगले दो दशकों में भारत को सशक्त और सुरक्षित बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि सार्वजनिक नीतियों को नए परिदृश्यों के साथ मेल कर उन्हें अनुकूलित किया जाए।

सोने के दाम 1 लाख के पार, चांदी में भी तेजी

सोने की कीमत 1,00,116 रुपए, चांदी 97,275 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली।

वेडिंग सीजन में एक बार फिर सोने-चांदी के भाव में तेजी देखी जा रही है। इन दिनों सोने की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखी जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ, गिरते डॉलर, आर्थिक मंदी की आशंकाओं ने सोने की कीमतों को आसमान छूने पर मजबूर कर दिया है। बता दें कि सोमवार को शाम के कारोबार में सोने ने इतिहास रच दिया और फिजिकल मार्केट में पहली बार 1 लाख रुपये के पार पहुंच गया। 24 कैरेट (999) सोने की आखिरी कीमत 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 3 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के कारण सोने की कीमत 1,00,116 रुपये हो गई। आधिकारिक वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को कारोबार की शुरुआत में एमसीएक्स पर सोने की कीमतें 97,352 प्रति 10 ग्राम पर थीं, जो 73/10 ग्राम की बढ़ोतरी के साथ अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं एमसीएक्स पर चांदी की कीमतें भी 238/किलोग्राम बढ़कर 97,275/किलोग्राम हो गई हैं। इसके अलावा बुलियन एसोसिएशनके आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 97,560/10 ग्राम है। 22 कैरेट सोने की कीमत 89,430/10 ग्राम है। वहीं आईबीए की वेबसाइट के अनुसार मंगलवार को सुबह चांदी की कीमत 95,720/किलोग्राम थी।

नई दिल्ली में सोने की कीमतें 94,260/10 ग्राम, एमसीएक्स सोने की कीमत 97,220/10 ग्राम। चांदी की कीमतें 95,380/किग्रा, एमसीएक्स पर चांदी की कीमतें 7,275/किग्रा है। मुंबई में सोना 97,380/10 ग्राम, एमसीएक्स पर 97,352/10 ग्राम, चांदी की कीमत - 95,540/किग्रा, एमसीएक्स पर 999 की कीमत 97,275/किग्रा है।

इस भारतीय कंपनी का हेडक्वार्टर अब विदेश की जगह देश में ही होगा

मुंबई।

वॉलमार्ट समूह की ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने कहा कि वह अपना हेडक्वार्टर सिंगापुर से भारत में स्थापित करेगी। कंपनी के कदम को उसके संभावित आईपीओ लाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। वर्तमान में, फ्लिपकार्ट का मुख्यालय सिंगापुर में है। कंपनी ने कहा, "भारत में स्थित और यहीं से ऑपरेशन करने वाली भारत की घरेलू ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपनी होल्डिंग कंपनी को सिंगापुर से भारत लाने का इरादा जाहिर किया है। दरअसल सवाल ये है कि फ्लिपकार्ट एक भारतीय कंपनी है लेकिन इसका हेड ऑफिस सिंगापुर में क्यों है? इसका जवाब है टैक्स से जुड़ा फायदा है। दरअसल, सिंगापुर एक "टैक्स हेवन" की तरह है यहां कंपनियों को कम कर देना होता है। इसके अलावा, स्पष्ट और स्थिर टैक्स कानूनों के चलते सिंगापुर में विदेशी निवेशकों को पैसा लगाना आसान लगता है। वहीं फ्लिपकार्ट अब भारत में सार्वजनिक सूचीबद्धता के लिए विचार कर रही है। कंपनी ने कहा, "भारत में जन्मी और विकास करने वाली कंपनी के रूप में, यह बदलाव हमारे ग्राहकों, विक्रेताओं, भागीदारों और समुदायों की सेवा करने में हमारे ध्यान और तत्परता को और बढ़ाएगा, ताकि देश की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और उद्यमिता में योगदान जारी रखा जा सके।

इंडिया स्टील सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 24- 26 अप्रैल तक मुंबई में

प्रधानमंत्री मोदी 24 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे

मुंबई। मुंबई के बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में 24-26 अप्रैल तक आयोजित हो रहे इस्पात क्षेत्र के अग्रदूत आयोजन इंडिया स्टील का छठा संस्करण आंखों के सामने है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 अप्रैल को इस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे। इस्पात मंत्रालय ने जारी किया एक विज्ञप्ति, जिसमें इंडिया स्टील 2025 के लक्ष्यों पर चर्चा करने की घोषणा की गई है। इसमें वैश्विक हितधारकों की विकास रणनीतियों, इस्पात उत्पादन में स्थिरता, और नए तकनीकी उपायों की भूमिका पर विचार किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और कई राज्य के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, प्रहलाद जोशी, जी. किशन रेड्डी, और भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा कुछ नाम हैं, जो इस सम्मेलन में सक्रिय भाग लेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विष्णु देव साय, और मोहन चरण माझी कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री भी उपस्थित होंगे। इस संयोजन में नई तकनीकों और संवर्धनशील उत्पादन की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

रुपया डॉलर के मुकाबले चार पैसे टूटकर 85.19 पर

सोमवार को डॉलर के मुकाबले 23 पैसे मजबूत होकर 85.15 पर बंद हुआ था

मुंबई।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ चार पैसे कमजोर होकर 85.19 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों से मिले समर्थन को निवेशकों द्वारा डॉलर की पुनर्खरीद ने बेअसर कर दिया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि शुल्क और अमेरिकी मौद्रिक नीति से उत्पन्न आर्थिक प्रतिकूलताओं के बारे में चिंता बनी हुई है, जिससे मांग में कमी आ सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.11 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.19 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे मजबूत होकर 85.15 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.09 पर रहा।

सोना पहली बार 96 हजार के पार

नई दिल्ली।

सोने के दाम ने सोमवार को नया ऑल टाइम हाई बनाया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,677 बढ़कर 96,587 पर बंद हुआ। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,910 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 1,049 बढ़कर 96,200 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,151 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था। अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ़ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है।

रुपया सपाट बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 85.38 पर सपाट बंद हुआ। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 33 पैसे की बढ़त के साथ 85.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी प्रवाह से निवेशकों की धारणा को बल मिला। व्यापारियों ने कहा कि घरेलू संकेतकों में उत्साहवर्धक सुधार तथा वैश्विक परिस्थितियों में बदलाव के कारण पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में भारतीय रुपये में वृद्धि हुई है, जिससे रुपया मजबूत बना हुआ है, जबकि प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में अनिश्चितता का माहौल है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.15 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.05 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 33 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे मजबूत होकर 85.39 पर बंद हुआ था। शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के कारण विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.92 फीसदी की गिरावट के साथ 98.31 पर रहा।

सेंसेक्स 855 अंक चढ़कर 79,408 पर बंद

निफ्टी में भी 273 अंक की तेजी रही, आईटी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बढ़त

मुंबई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार 21 अप्रैल को सेंसेक्स 855 अंक चढ़कर 79,408 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 273 अंक चढ़ा, ये 24,125 के स्तर बंद हुआ। वहीं बैंक निफ्टी नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। ये 1,014 अंक चढ़कर 55,304 पर बंद हुआ। बैंकिंग के अलावा आईटी और मेटल शेयर्स में भी बढ़त रहे।

एक्टिव फंड्स ने सभी प्रमुख श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन किया

पैसिव फंड्स को पीछे छोड़ दिया

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 में एक्टिव फंड्स (ड्ढ्रष्ह्लद्ब1द्ग द्घह्वठ्ठस्रह्य) ने सभी प्रमुख श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन किया है और पैसिव फंड्स को पीछे छोड़ दिया है। मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ की अप्रैल 2025 की अल्फा स्ट्रैटजिस्ट रिपोर्ट में यह ट्रेंड सामने आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक्टिव स्ट्रैटजी ने न केवल बेहतर रिटर्न दिए, बल्कि उतार-चढ़ाव वाले बाजार में बेहतर रिस्क मैनेजमेंट भी दिखाया। मोतीलाल ओसवाल का अनुमान है कि आने वाले तिमाहियों में भी एक्टिव फंड्स की यह बढ़त बनी रह सकती है। तीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ ने इक्विटी को लेकर न्यूट्रल रुख अपनाने की सलाह दी है। कंपनी का मानना है कि मौजूदा मार्केट वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव को देखते हुए सतर्क रुख जरूरी है। हालांकि, उन्होंने पूंजी निवेश को लेकर एक रणनीतिक अप्रोच अपनाने की सिफारिश की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाइब्रिड फंड्स में निवेश के लिए एकमुश्त निवेश की स्ट्रैटेजी को प्राथमिकता दी गई है। वहीं लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड और स्मॉल कैप फंड्स में अगले 2-3 महीनों में धीरे-धीरे निवेश (करने की सलाह दी गई है। भारतीय इक्विटी बाजार में फिलहाल वैल्यूएशन का मिली-जुली तस्वीर देखने को मिल रहा है। मोतीलाल ओसवाल ने एक नोट में कहा, हालिया करेक्शन को देखते हुए अगर इक्विटी में आपकी निवेश हिस्सेदारी अभी भी लक्ष्य से कम है, तो निवेशक हाइब्रिड फंड्स में लंप-सम और लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड और स्मॉल कैप फंड्स में अगले 2-3 महीनों के दौरान धीरे-धीरे निवेश बढ़ा सकते हैं। अगर बाजार में कोई बड़ी गिरावट आती है, तो पूंजी निवेश की रफ्तार को और तेज करना फायदेमंद हो सकता है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबार दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी से आई है। आज आईटीसी के शेयरों में सबसे अच्छी तेजी रही। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी तेजी रही। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 187.09 अंक करीब 0.24 फीसदी बढ़कर 79,595.59 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 41.70 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 24,167.25 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 14 के शेयर लाभ के साथ हरे निशान पर बंद हुए। एफएमसीजी स्टॉक आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा उछलकर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एटरनल, एसबीआई, कोटक बैंक, सन फार्मा के शेयर मुख्य रूप से लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक का शेयर 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इनफोसिस, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयरों में भी गिरावट रही।

पिछले छह कारोबारी सत्र में सेंसेक्स में 7.8 फीसदी करीब 5,749 अंक बढ़त रही जबकि निफ्टी में 7.9 फीसदी तकर 1,768 अंक की बढ़त रही।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 2.48 फीसद नीचे आकर 38,170.41 अंक पर बंद हुआ। एसएंडपी भी 2.36 फीसदी टूटकर 5,158.20 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 2.55 फीसदी नीचे आकर 15,870.90 पर बंद हुआ। डॉव जोन्स से जुड़े वायदा 0.33 फीसदी आगे थे, जबकि एसएंडपी 500 वायदा और नैस्डैक 100 वायदा में लगभग 0.4 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त लेकर हल्की बढ़त के साथ खुले। प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और सेंसेक्स खुलते ही लाल निशान में फिसल गए। सेंसेक्स 79,728.39 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सुबह यह 191.71 अंक की बढ़त लेकर 79,600 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी-50 भी आज मामूली बढ़त में खुला। सुबह यह 49.80 अंक की बढ़त के साथ 24,175.35 अंक पर कारोबार कर रहा था।

होंडा एलिवेट भारतीय सड़कों के लिए सबसे उपयुक्त एसयूवीएस

नई दिल्ली।

बाजार में कई एसयूवीएस उपलब्ध हैं जो भारतीय सड़कों पर आराम से चलने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। हम आपको ऐसी पांच बेहतरीन एसयूवीएस के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारतीय सड़कों के लिए परफेक्ट हैं। होंडा एलिवेट, भारतीय सड़कों पर आरामदायक और सुरक्षित यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त एसयूवीएस में से एक है। इसकी सॉफ्ट सस्पेंशन सेटअप और सुविधाजनक ड्राइविंग अनुभव इसे खास बनाता है।

इसमें सनरूफ, 10.25-इंच टचस्क्रीन, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, और होंडा सेंसिंग अडास जैसी सुविधाएं दी गई हैं। यह एसयूवी भारतीय सड़कों की खामियों को आसानी से समाहित करती है और ड्राइवर को आरामदायक अनुभव प्रदान करती है।

इसकी कीमत 13.89 लाख रुपये से 20.08 लाख रुपये (ऑन-रोड, मुंबई) के बीच है। मारुति ब्रेज़ा, जो एक कॉम्पैक्ट एसयूवी है, ने भारतीय बाजार में बहुत सफलता प्राप्त की है। ब्रेज़ा का सस्पेंशन सिस्टम भारतीय सड़कों के लिए आदर्श है, जो न केवल वाहन को आराम से चलाने की सुविधा प्रदान करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि ड्राइवर और यात्री धक्कों से बचें। इसमें इलेक्ट्रिक सनरूफ, 360-डिग्री कैमरा, और 9-इंच टचस्क्रीन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह एसयूवी सुरक्षा और आराम दोनों का बेहतरीन मिश्रण पेश करती है और इसकी कीमत 9.56 लाख रुपये से 14.56 लाख रुपये के बीच है।टाटा नेक्सॉन भारतीय सड़कों पर बेहतरीन सवारी अनुभव देती है और इसकी विश्वसनीयता भी काफी प्रसिद्ध है।

इसमें वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, 360-डिग्री कैमरा, और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा, इसमें 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन के विकल्प मिलते हैं, जो शानदार परफॉर्मेंस और ईंधन दक्षता प्रदान करते हैं। इसकी कीमत 9.30 लाख रुपये से 18.60 लाख रुपये (ऑन-रोड, मुंबई) के बीच है। महिंद्रा एक्सयूवी 3XO अपनी आरामदायक सवारी और ड्राइविंग अनुभव के लिए जानी जाती है।

डीआईएल 'बिरयानी बाई किलो' में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली।

देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड ने केएफसी, पिज्जा हट और कोस्टा कॉफी जैसी त्वरित सेवा रेस्तरां श्रृंखला को फ्रैंचाइजी समझौतों के जरिए संचालित करने वाली स्काई गेट हॉस्पिटैलिटी की देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड ने घरेलू श्रृंखला बिरयानी बाई किलो के अधिग्रहण की योजना की घोषणा की है। इस समाचार के अनुसार, दी सूचनाओं के द्वारा, जयपुरिया परिवार द्वारा प्रवर्तित डीआईएल देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त की जाएगी।बिरयानी के अलावा, स्काई गेट हॉस्पिटैलिटी ने क्लाउड किचन और अन्य छोटे ब्रांड की संचालन की भी जिम्मेदारी ली है। बिरयानी बाई किलो के तहत देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड की विस्तृत छापा बढ़ने की उम्मीद है। उनकी पहुंच भारत, नेपाल, और नाइजीरिया के कई शहरों तक है। कंपनी ने अभी तक अधिग्रहण की मूल्य और शेयरों की संख्या का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने बताया कि निदेशक मंडल की मेंबर्स की बैठक 24 अप्रैल को होगी। यह बैठक मंजूरी देने और सामर्थ्य की मान्यता देने के लिए होगी, जिसमें कंपनी के इक्विटी शेयरों को जारी करने और सबसे अच्छी डील्स पर विचार करने के लिए तरजीही आधार पर निश्चित समझौतों पर चर्चा की जाएगी।

खास खबर

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टैकपोल का निधन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर कीथ स्टैकपोल का निधन हो गया है। स्टैकपोल 84 साल के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। उनके परिवार में पत्नी पैट और बच्चे पीटर, टोनी और एंजेला हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिया पर अपने शोक संदेश में कहा, हम सभी स्टैकपोल के निधन से दुखी हैं। वह एक सच्चे विक्टोरियन और ऑस्ट्रेलियाई थे, जिन्होंने खेल को जज्बे, साहस और सम्मान के साथ खेला। 1968 की एशेज सीरीज के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी पर 1972 में उन्हें उपकप्तान बनाया गया। तब कप्तान इयान चैपल थे और उस सीरीज में स्टैकपोल ने बेहतरीन प्रदर्शन कर सबसे ज्यादा 485 रन बनाए थे। कप्तान चैपल ने बताया, वह मेरी बहुत मदद करते थे, कई बार ऐसे काम कर देते थे जो कप्तान के रूप में मेरे लिए करना कठिन था एक बार 1972 में ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के दौरान उन्होंने मुझसे कहा, तीसरा स्लिप फील्डर लगाना चाहिए।

रमीज पीएसएल की जगह आईपीएल बोलने पर हुए ट्रॉल

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में एक मैच के दौरान अवार्ड समारोह में पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने रमीज राजा ने पीएसएल की जगह आईपीएल बोल दिया। जिसके बाद उन्हें जमकर ट्रॉल किया जा रहा है। रमीज के पीएसएल को आईपीएल कहने वाली वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आई तो प्रशंसकों ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया और कहा कि इससे पता चलता है कि आईपीएल की लोकप्रियता कितनी है। ये मामला मुल्तान सुल्तांस की लाहौर कलंदर्स पर जीत के बाद का है। इसी मैच के बाद रमीज की जबान फिसल गई। हुआ यूं कि जोशुआ लिटिल को इनाम देने की घोषणा करते समय रमीज ने गलती से पीएसएल की जगह पर एचबीएल आईपीएल कह दिया पर इस घटना के सोशल मीडिया पर वायरल होने में अधिक समय नहीं लगा। कुछ लोगों ने इसे गलती करार दिया है जबकि कुछ ने सीधे उनको बर्खास्त करने को कहा है। वहीं कुछ का कहना है कि ये आईपीएल की ताकत है जो दिख रही है।

सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने राहुल

लखनऊ । दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मैच में अपनी नाबाद 57 रनों की पारी के दौरान अपने 5000 रन पूरे किये। ??राहुल ने इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 130 पारियां खेलीं। इससे पहले ये रिकार्ड डेविड वॉर्नर के नाम नाम था। वार्नर ने 135 पारियों में अपने 5000 रन पूरे किये थे। वहीं विराट कोहली ने 157, एबी डिविलियर्स ने 161 और शिखर धवन ने 168 मैचों में ये आंकड़ा हासिल किया है। राहुल ने अपनी पुरानी टीम सुपर जायंट्स के खिलाफ 40 गेंदों में तीन चौकों और 3 छक्कों की मदद से अर्धशतक बनाया। उन्होंने प्रिंस यादव की गेंद पर छक्का लगाकर मैच में अपनी टीम को जीत दिलायी।

बार्सिलोना ने मल्लोर्का को हराया

- रोमान की शानदार वापसी, लेकिन टीम को नहीं मिला पॉइंट

एजेंसी

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने ला लीगा खिताब की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए मंगलवार देर रात मल्लोर्का को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड पर अपनी बढ़त सात अंकों की कर ली है। स्पेन के इंटरनेशनल डानी ओल्मो के गोल ने बार्सिलोना को जीत दिलाई और मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड पर दबाव बढ़ा दिया। रियल का अगला मुकाबला बुधवार को गेटाफे के खिलाफ है। हांसी फ्लिक की टीम अब संभावित क्वाड्रपल (चार खिताब) की ओर देख रही है। शनिवार को होने वाले कोपा डेल रे फाइनल से पहले कोच फ्लिक ने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया। अक्टूबर के बाद पहली बार अंसु फाती को शुरूआत करने का मौका मिला। वहीं हेक्तर फोर्ट को डिफेंस के बाएं ओर और फेरान टोरेस को चोटिल लेवांडोव्स्की की जगह आक्रमण में उतारा गया। बार्सिलोना ने पहले हाफ में एक के बाद एक मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं हो सका। गावी का शॉट पोस्ट से टकराया, वहीं टोरेस और फाती ने आसान मौके गंवाए। युवा खिलाड़ी लामिन यामाल और फोर्ट के प्रयासों को भी मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमान ने शानदार तरीके से रोका। दूसरे हाफ की शुरूआत में बार्सिलोना ने पासिंग मूव से खेलते हुए ओल्मो के जरिए बढ़त हासिल की। इसके बाद फाती और यामाल ने बढ़त दोगुनी करने की कोशिश की, लेकिन रोमान की जबरदस्त गोलकीपिंग के आगे बार्सिलोना को एक और गोल नहीं मिल सका।यह 2025 में मल्लोर्का के लिए रोमान का पहला लीग मैच था और उन्होंने 10 शानदार सेव किए। उन्होंने यामाल, एरिक गार्सिया और लोपेज के प्रयासों को रोका। स्टॉपेज टाइम में अब्दोन प्रात्स पर गार्सिया की टक्कर पर मल्लोर्का ने पेनल्टी की मांग की, लेकिन रेफरी ने खारिज कर दिया।

बार्सिलोना के पास अब लीग में पांच मुकाबले बचे हैं, जिनमें 11 मई को रियल मैड्रिड के खिलाफ एल क्लासिको सबसे अहम होगा। इस मुकाबले से खिताब की तस्वीर और साफ हो सकती है।

हसन अली को अब भी पाक टीम में वापसी की उम्मीद

एजेंसी

कराची । कराची किंग की ओर से पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित तेज गेंदबाज हसन अली को उम्मीद है कि एक बार फिर उन्हें पाक टीम में जगह मिलेगी। हसन ने कहा कि अभी मेरा समय समाप्त नहीं हुआ है। इस तेज गेंदबाज का कहनाा कि वह इसी प्रदर्शन को आगे भी बनाये रखना चाहते हैं। हसन पिछले एक साल से पाक टीम से बाहर हैं। इस क्रिकेटर ने अंतिम बार 14 मई, 2024 को आयरलैंड के खिलाफ टी20आई में खेला था। हसन ने कहा, मैं 30 साल का हो गया हूं पर अभी खत्म नहीं हुआ हूं। मैं टीम के लिए और अधिक योगदान देना चाहता हूं मुझे पता है कि चयन प्रदर्शन पर निर्भर करता है। मेरा काम लगातार अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कराची की ओर से अकतक अच्छी गेंदबाजी करते हुए 5 पारियों में 10 विकेट लिए हैं, उनका औसत 16.00 रहा है जबकि इकॉनमी 8.00 रही है। वह लीग में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेकन वाले गेंदबाज हैं।

हसन ने अपनी तकनीकी वृद्धि का श्रेय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पाकिस्तान के कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में कठोर सत्रों को दिया। उन्होंने बताया, मैंने अपनी गेंदबाजी में आई कमियों को पहचाना, अपने बेसिक्स पर काम किया और कुछ चीजों को संशोधित या फिर से संशोधित किया।

प्रीमियर लीग: मैनचेस्टर सिटी ने एस्टन विला को 2-1 से हराया

- अंतिम लम्हों में छिना विला का जीत का सपना
- अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंची सिटी
- बर्नार्डो सिल्वा ने दिलाई शुरूआती बढ़त

एजेंसी

मैनचेस्टर। इंग्लिश प्रीमियर लीग में मंगलवार देर रात खेले गए रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने मातेउस नून्स के इंजरी टाइम में किए गए गोल की बदौलत एस्टन विला को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग की दौड़ में अपनी उम्मीदों को मजबूती दी। मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था जब मार्कस रैशफोर्ड के पेनल्टी गोल ने पहले हाफ में बर्नार्डो सिल्वा के शुरूआती गोल को बराबर कर दिया था। लेकिन 94वें मिनट में जेरमी डोकू के शानदार क्रॉस पर नून्स ने गोल दागते हुए सिटी को जीत दिला दी। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए 61 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। हालांकि, उनके पीछे की तीन टीमें एक-एक मैच कम खेली हैं। वहीं, एस्टन विला 57 अंकों के साथ सातवें स्थान पर कायम है और उसकी एतिहाद स्टेडियम में हार की यह लगातार 15वीं शिकस्त है।

मैच के 7वें मिनट में उमर मर्मूश ने विला के राइट बैक मैटी कैश को छकाकर गेंद बर्नार्डो सिल्वा को दी, जिन्होंने गोलकीपर एमिली मार्टिनेज के हाथों को चीरते हुए गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

विला की वापसी 18वें मिनट में हुई जब वीएआर जांच के बाद सिटी के डिफेंडर रूबेन डायस को जैकब रैम्से को पीछे से टक्कर मारने का दोषी पाया गया। इस पर मिली पेनल्टी को मार्कस रैशफोर्ड ने बड़ी सहजता से गोल में बदलते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

हर दिन पांच लीटर दूध पीने की कहानी सही नहीं : धोनी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बारे में कहा जाता रहा है कि वह प्रतिदिन पांच लीटर दूध पीते हैं पर अब एक कार्यक्रम में धोनी ने इसे गलत बताया है और कहा है कि ये गलत है। धोनी ने कहा कि एक औसत व्यक्ति प्रतिदिन 5 लीटर दूध नहीं पी सकता। उन्होंने कहा कि मैं शायद दिन भर में एक लीटर दूध पीता था पर चार लीटर किसी और ने जोड़ दिया। रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर बाहर होने के बाद एक बार फिर धोनी को चेन्नई सुपरकिंग्स सीएसके की कप्तानी दी गयी है। धोनी ने गत दिन कहा कि टीम अगर इस बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी तो अगले सत्र के लिए योजनाएं तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे सामने कुछ कमजोरियां हैं जिन्हें दूर किया जाएगा। अभी सामने जितने भी खेल हैं, उनमें से हमें जीतना है, हम एक बार में एक खेल पर ध्यान केंद्रित करेंगे और अगर हम कुछ हार जाते हैं, तो हमारे लिए अगले साल के लिए सही संयोजन प्राप्त करना अहम रहेगा। उन्होंने कहा कि आप नहीं चाहते कि बहुत सारे खिलाड़ी बदले जाएं, जो महत्वपूर्ण होगा वह है प्रयास करना और क्वालीफाई करना, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो अगले साल के लिए सुरक्षित 11 प्राप्त करना और मजबूत वापसी करना ही हमारा लक्ष्य होगा।

68वीं राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता

दूसरे दिन झारखंड की झोली में आया 2 कांस्य पदक

रांची । 21 से 26 अप्रैल-2025 दिल्ली में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता 2024-25 के आज दूसरे दिन झारखंड की दो पहलवानों, रिचा कुजूर-46केजी एवं स्नेहा कुमारी- 49केजी ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। झारखंड विद्यालय कुश्ती टीम की पहलवान खुशबू तिर्की के रजत पदक जीतने पर, शिक्षा सचिव उमा शंकर सिंह, शिक्षा निदेशक शशि रंजन, झारखंड राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष- जीशान कमर,अभिभावक-के रवि कुमार, हमारे मार्गदर्शक-भोलानाथ सिंह, शिक्षा विभाग राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी-धीर सेन सोरेंग,महासचिव-रजनीश कुमार,बिजय शंकर सिंह, सभी जिला कुश्ती अध्यक्ष/सचिव एवं झारखंड राज्य कुश्ती परिवार तथा शिक्षा विभाग के द्वारा बधाईयां दी गई।

मार्श के नाम दर्ज सबसे धीमी बल्लेबाजी का रिकार्ड

मुम्बई। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपने एक हजार रन पूरे कर लिए। मार्श ने ये रन 15 साल में पूरे किये। इस प्रकार उन्होंने सबसे धीमी गति से बल्लेबाजी का अनचाहा रिकार्ड अपने नाम किया है। मार्श से पहले आईपीएल में 1000 रन बनाने के लिए सबसे ज्यादा साल मोइजेज हेनरीकेज को लगे थे। मोइजेज हेनरीकेज ने 13 साल में आईपीएल में 1000 रन पूरे थे, जबकि राहुल तेवतिया ने 12 साल में आईपीएल में 1000 रन बनाये। मार्श ने साल 2010 में डेक्कन चार्जेर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल डेब्यू किया था। इसके बाद वह कुछ सत्र चोटिल होने के कारण पूरे नहीं खेल पाये। मार्श की बल्लेबाजी काफी धीमी रही।

केकेआर को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए जीतने होंगे पांच मैच

एजेंसी

मुम्बई । गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन इस बार आईपीएल सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना भी काफी कम हो गयी है। उसे अब तक 8 मैचों में से 3 में ही जीत मिली है जबकि वह पांच मैच हारी है। अंक तालिका में टीम सातवें स्थान पर है। प्ले ऑफ की दौड़ में वह अभी बनी हुई है पर उसे अपने बल पर आगे जाने बचे हुए छह में से पांच मैच मैच जीतने होंगे।

अभी केकेआर के 8 मैच के बाद 6 अंक हैं और वह सातवें नंबर पर है। उससे पीछे सिर्फ तीन टीमें राजस्थान, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स हैं और उन तीनों के 4-4 अंक है। वहीं 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस की टीम नंबर एक पर है जबकि 10 अंकों के साथ दिल्ली कैपिटल्स दूसरे नंबर पर है। आरसीबी, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के भी 10-10 अंक हैं पर नेट रन रेट के आधार पर ये टीमें क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। मुंबई इंडियंस 8 अंकों के साथ छठे पायदान पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स को अभी 6 मैच खेलने हैं। उनका अगला मुकाबला 26 अप्रैल को पंजाब किंग्स से हैं। उसके बाद उन्हें दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के साथ खेलना है। अगर केकेआर सभी 6 मैच जीत लेती है तो उसे 12 अंक और मिलेंगे। इस तरह 18 अंकों के साथ वह प्लेऑफ में पहुंच सकती है पर अगर वह वह बाकी बचे 6 में से 5 मैच भी जीतती हैं तो 16 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंच सकते हैं। इस तरह उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए 6 मैचों में से 5 जीतने होंगे पर अगर वह दो मैचों में हारती है तब उसके 14 अंक होंगे और उसके लिए प्लेऑफ में पहुंचना कठिन हो जाएगा। पिछली बार 14 अंक के साथ भी टीमें प्लेऑफ में पहुंची थीं पर इस बार ये कठिन लग रहा है। इसका कारण है कि गुजरात के अभी 12 अंक हैं पर 6 मैच बाकी हैं। वहीं दिल्ली, आरसीबी, पंजाब और लखनऊ की टीमों के पास अभी 10-10 अंक हैं और इन्हें भी कम से सात मैच खेलने हैं। ऐसे में बचे हुए मेचों में जीत से ये टीम कम से कम 16 अंकों तक पहुंच जाएंगी।

कमजोर बल्लेबाजी के कारण हार रही केकेआर : मोर्गन

एजेंसी

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि आईपीएल के 18 वें सत्र में टीम के खराब प्रदर्शन का कारण कमजोर बल्लेबाज रही है। मोर्गन ने कहा, ह्यकेकेआर ने उतनी अच्छी तरह से नहीं खेला है जितनी हम चाहते थे। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो एक मजबूत टीम के लिए बहुत अच्छा संकेत होता है लेकिन उसे पूरे टूर्नामेंट में एक जैसी परेशानी का सामना करना पड़ा है। टीम को अपने घरेलू मैदान में भी चार से तीन मैचों में हार मिली है। उन्होंने कहा, ह्यगुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच की बात करें तो टीम ने बल्लेबाजी क्रम में कुछ बदलाव किए जो जरूरी नहीं थे। अगर वह आराम से बैठकर इस पर विचार करेंगे तो उन्हें भी ये बात समझ आयेगी।ह्ल वहीं पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने पारंपरिक शैली में खेलने के लिए गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन की प्रशंसा की, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ इस मैच में में 36 गेंदों में 52 रन बनाकर वर्तमान टूर्नामेंट में अपनी रन संख्या को 400 के पार पहुंचाया। रायुडू ने कहा, उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देख कर बहुत खुशी मिलती है। एक कलात्मक बल्लेबाज के रूप में वह दिखाते हैं कि खेल को अब भी परंपरागत शैली में खेला जा सकता है। वह स्मार्ट क्रिकेट खेलते हैं जिससे रन बनते हैं और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सत्र में बल्लेबाजी की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ घरेलू मैच के लिए केकेआर की तरफ से किए गए बदलाव कारगर नहीं थे। वहीं, पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन की दिल खोलकर तारीफ की है।

अंतर जिला अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता

रांची ने जमशेदपुर को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

रांची । झारखंड राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में जामताड़ा में खेले गए फाइनल मैच रांची टीम ने जमशेदपुर टीम को 5 विकेट से हराया । फाइनल मैच में रांची टीम को जीत के लिए 199 रनों का लक्ष्य जमशेदपुर ने दिया जिसे रांची टीम ने 5 विकेटों के नुकसान पर 201/5 रन बनाकर मैच जीत लिया। जिसमें रक्षित प्रवीण ने 68 रन नाबाद एवं वैभव संतोष ने 65 रनों का योगदान दिया और 5 विकेट से फाइनल मैच जीत लिया। सौरव कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। सौरव कुमार ने 37/4 विकेट लिए।

त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम घोषित

- तीन नए चेहरों को मौका

एजेंसी

कोलंबो। भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 27 अप्रैल से शुरू हो रही महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका ने अपनी 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज चमारी अटापट्टू को सौंपी गई है। श्रीलंका सीरीज की शुरूआत 27 अप्रैल को भारत के खिलाफ कोलंबो में करेगी।

टीम में तीन नई खिलाड़ी – माल्की मडारा, देवमी विहांगा और पिउमी बडालगे को शामिल किया गया है, जिन्होंने अभी तक श्रीलंका के लिए वनडे नहीं खेला है। इन तीनों के अलावा टीम में कुल छह बदलाव किए गए हैं जो इस साल की शुरूआत में न्यूजीलैंड दौरे पर गई टीम का हिस्सा नहीं थे। टीम में अनुभवी स्पिनर इनोका राणावीरा, हसीनी परेरा और हंसिमा करुणारत्ने की भी वापसी हुई है। वहीं, इमेशा दुलानी, सचिनी निसांसला, कौशिनी नुथ्यांगना, चेथना विमुक्ति और घायल उदेशिका प्रभोदनी को टीम से बाहर कर दिया गया है।

24 वर्षीय स्पिनर माल्की मडारा ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अपने पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। 19 वर्षीय देवमी विहांगा, जो एक स्पिन ऑलराउंडर हैं, को भी पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। वहीं, 29 वर्षीय पिउमी बडालगे, जो पनादुरा क्रिकेट क्लब की कप्तान हैं, को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। 18 वर्षीय बल्लेबाजी ऑलराउंडर रश्मिका सेव्वंदी, जो हाल ही में अंडर-19 विश्व कप में श्रीलंका की ओर से खेलीं थीं, टीम में शामिल की गई हैं और वह तेज गेंदबाजी विभाग में आचिनी कुलसूरिया के साथ होंगी। टीम का बल्लेबाजी विभाग अपेक्षाकृत स्थिर है जिसमें कप्तान अटापट्टू के साथ हरशिता समरविक्रमा, विश्मी गुणरत्ने, कविशा दिलहारी, अनुष्का संजीवनी और निलाक्षिका सिल्वा शामिल हैं।

श्रीलंका टीम

चमारी अटापट्टू (कप्तान), हरशिता समरविक्रमा, विश्मी गुणरत्ने, निलाक्षिका सिल्वा, कविशा दिलहारी, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), मनुड़ी ननायक्कारा, हसीनी परेरा, आचिनी कुलसूरिया, पिउमी बडालगे, देवमी विहांगा, हंसिमा करुणारत्ने, माल्की मडारा, इनोशी प्रियदर्शिनी, सुगंधिका कुमारी, रश्मिका सेव्वंदी, इनोका राणावीरा।

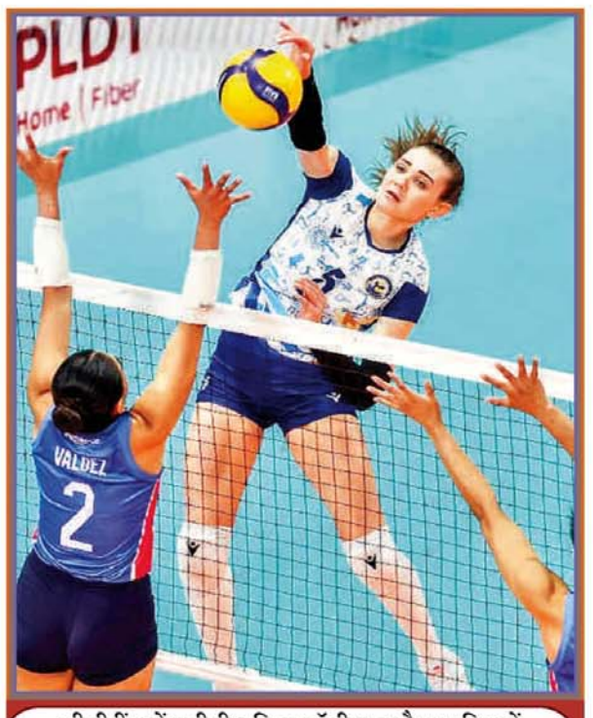

फीलीपींस में एवीसी महिला वॉलीबाल चैम्पयनशिप में भाग लेती हुई कजाकिस्तान की खिलाड़ी।

अमेजन वेब सर्विस शानदार कॅरियर के साथ आकर्षक सैलरी

वर्तमान समय में देश विदेश की 60 प्रतिशत से अधिक कंपनियां अमेजन वेब सर्विस का इस्तेमाल कर रही हैं। अगर आप भी इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं तो आपका किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना जरूरी है। AWS सर्टिफिकेट हासिल कर आप इस क्षेत्र में शानदार कॅरियर के साथ आकर्षक सैलरी भी पा सकते हैं।

किसी भी व्यक्ति या कंपनी को अपना बिजनेस शुरू करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होती है। इंटरनेट की मदद से किए गए बिजनेस को डिजिटल मार्केटिंग कहते हैं। अमेजन वेब सर्विस ये सेवाएं मौजूदा समय में बिजनेस ऑनर्स को दे रही है। बता दें कि यह ऑनलाइन क्लाउड कम्प्यूटिंग प्लेटफॉर्म है। यह अपने कस्टमर या कंपनियों को सर्वर्स, स्टोरेज, नेटवर्किंग रिमोट कम्प्यूटिंग, ईमेल, मोबाइल डेवलपमेंट और सिक्यूरिटी उपलब्ध कराता है। क्लाउड इन सुविधाओं के बदले NDS कंपनियों से शुल्क लेता है। वर्तमान समय में अमेजन वेब सर्विस का इस्तेमाल देश विदेश की 60 प्रतिशत से अधिक कंपनियों में किया जा रहा है। इसलिए उम्मीद है कि आने वाले समय में NDS सेक्टर में देश विदेश की हजारों बिजनेस कंपनियों द्वारा करीब 2 करोड़ नौकरियां निकलेंगी। ऐसे में अगर आपके पास भी AWS का सर्टिफिकेट है तो आप भी किसी भी कंपनी का डेटा रिमोट के जरिए मैनेज कर सकते हैं। इस काम में आप आकर्षक सैलरी भी हासिल कर सकते हैं।

4 मेन सर्टिफिकेट

Foundational: यह Cloud Practioner कोर्स NDS सेक्टर में आपको पूरी बेसिक समझ प्रदान करता है। जैसे इलास्टिक कम्प्यूट क्लाउड, एस3 बकेट, एडब्ल्यूएस क्लाउड फार्मेशन, क्लाउड फ्रंट, इलास्टिक बीन स्टाक आदि।

Associate: Associate कोर्स में आपको एडब्ल्यूएस ईसीटू, नेटवर्किंग, स्टोरेज सर्विसेज, आईएएम सेवाओं, क्लाउड वॉच, अलर्ट और अलॉर्म के बारे में पूरी जानकारी दी जाती है।

Professional: इस प्रकार के सर्टिफिकेट के लिए आपको 3 साल के एक्सपीरियंस की जरूरत होती है। इसमें दो 2 तरह का सर्टिफिकेट होता है। जिसमें एक सॉल्यूशन आर्किटेक और दूसरा डेवॉप्स इंजीनियर।

Speciality: इस सर्टिफिकेट के लिए भी आपको 3 साल के एक्सपीरियंस की जरूरत होती है। इसमें भी आपको Professional की तरह दो तरह के सर्टिफिकेट मिलते हैं। जिनमें से एक एडवांस मार्केटिंग और मशीन लर्निंग होता है।

सैलरी

एडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट मिलने के बाद आपको एक फ्रेशर के तौर पर 70 से 90 हजार रुपए प्रतिमाग की आकर्षक सैलरी मिलती है। वहीं इस क्षेत्र में अनुभव रखने वाले लोगों और एडब्ल्यूएस एक्सपर्ट को 1,35000 से 1,66000 रुपये तक सैलरी मिलती है।

मास्टर डिजिटल मार्केटिंग कोर्स

- एडवांस्ड मॉड्यूल्स के साथ 3 महीने की On Job Training दी जाती है।
- एंटरप्रेन्योरशिप, ग्राफिक डिजाइन, स्पोकन इंग्लिश जैसी स्किल्स के डेवलप किया जाता है।
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, कंटेंट राइटिंग, मार्केटिंग और ईमेल मार्केटिंग के बेसिक बताए और सिखाए जाते हैं।
- गूगल फेसबुक और डिजिटल मार्केटिंग के 40+ टूल्स की तैयारी करना सिखाया जाता है।
- इंडस्ट्री के बेस्ट एक्सपर्ट की मास्टर क्लास से भी युवाओं को सीखने का मौका दिया जाता है।
- इस इंडस्ट्री में सफलता के लिए ऑफिस आकर इंटर्नशिप करने का अवसर
- एक्सपर्ट्स की देखरेख में इंटरव्यू की तैयारी और मॉक टेस्ट की तैयारी

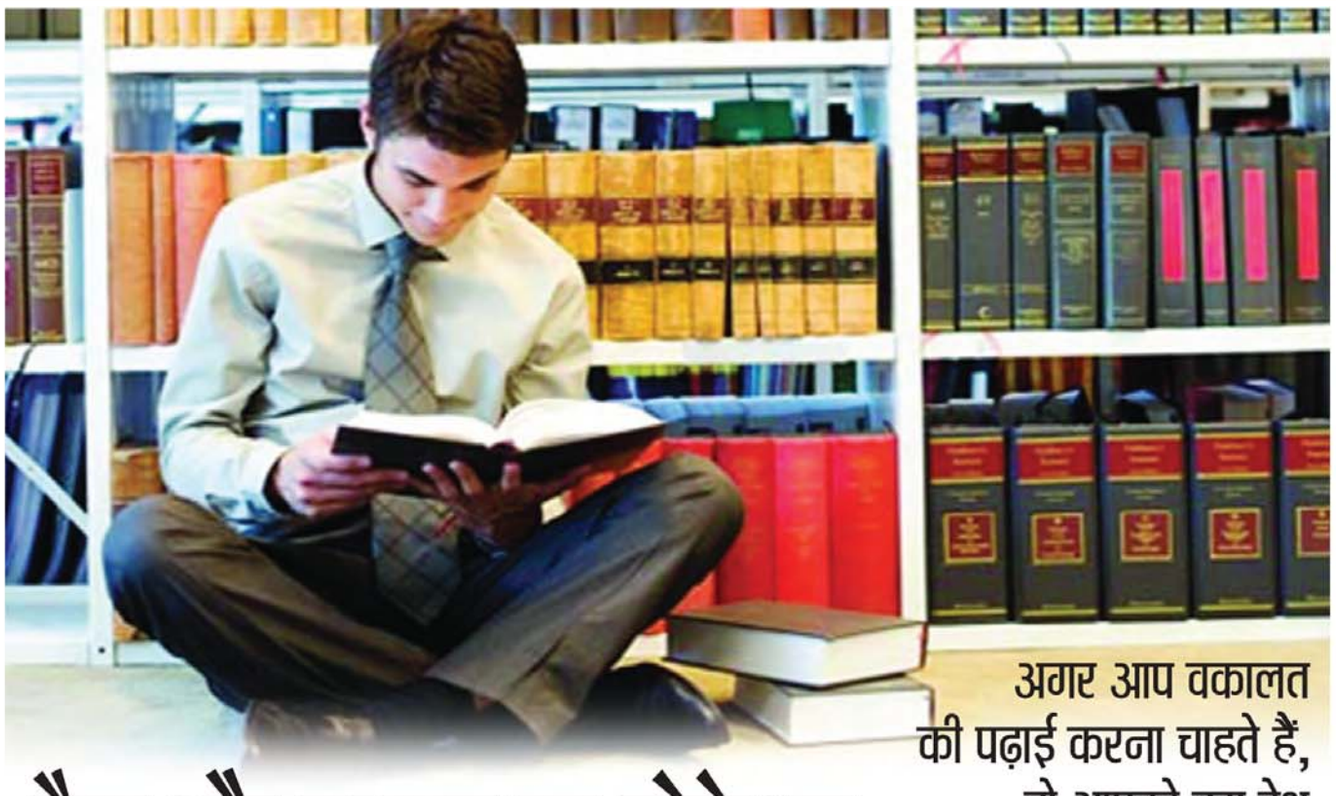

पैसा और सम्मान का प्रोफेशन वकालत

अगर आप वकालत की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो आपको हम देश के टॉप कॉलेजों के बारे में बताते हैं जहां पर एडमिशन लेकर अपना भविष्य संवार सकते हैं।

वकालत एक पेशा है जिसमें काफी संघर्ष है। अगर एक बार वकालत चल गई तो जो पैसा और इज्जत इस प्रोफेशन में मिलती है, वो किसी में नहीं है? भारत में कई यूनिवर्सिटीज, कॉलेज की तरफ से वकालत की पढ़ाई करवाई जाती है। लेकिन कुछ ऐसे कॉलेज हैं, जहां से पढ़ाई करने के बाद युवाओं की नौकरी पक्की समझी जाती है।

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु की देश में पहली रैंक है। यहां पर छात्रों को क्लैट के तहत एडमिशन दिया जाता है। ऐसे में अगर आप भी वकालत की पढ़ाई करना चाहते हैं तो यह कॉलेज आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां पर तीन और 5 वर्षीय दोनों कोर्सेज में प्रवेश दिया जाता है। 12वीं पास 5 वर्षीय एलएलबी में प्रवेश ले सकते हैं। जबकि ग्रेजुएट 3 वर्षीय में।

चंडीगढ़, यूनिवर्सिटी

चंड़ीगढ़ यूनिवर्सिटी का वकालत की पढ़ाई में दूसरा स्थान है। हालांकि, यहां पर सिर्फ 3 वर्षीय पाठ्यक्रम में ही प्रवेश दिया जाता है। तीन वर्षों के लिए छात्रों को 2 लाख 70000 रुपए फीस देनी होती है। यहां से पढ़ाई के बाद युवाओं का आसानी से प्लेसमेंट हो जाता है।

गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधी नगर

अगर आप वकालत की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो आप यहां भी एडमिशन ले सकते हैं। पूरे पांच वर्ष का कोर्स करने के लिए आपको 5 लाख रुपए देने होंगे। यहां पर एक वर्ष की फीस 50000 है। गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी , गांधी नगर से पढ़ाई करने के बाद अभ्यर्थियों का प्लेसमेंट आसानी से हो जाता है।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली

12वीं पास छात्र इंटीग्रेटेड कोर्स यानि कि 5 वर्षीय एलएलबी में यहां भी प्रवेश ले सकते हैं। यहां की पढ़ाई पूरे भारत में प्रसिद्ध है। यह स्टेट यूनिवर्सिटी है। 5 वर्ष की पढ़ाई के लिए छात्रों को 7 लाख 60000 रुपए फीस देनी होगी। यहां से पढ़ाई के बाद छात्रों की नौकरी कॉर्पोरेट सेक्टर में आसानी से लग जाती है। वहीं, जो छात्र खुद हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करना चाहते हैं, वे कर सकते हैं।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर की पहचान भारत के प्रसिद्ध कॉलेजों में होती है। यहां पर 5 वर्षीय वकालत के छात्र प्रवेश ले सकते हैं। क्लैट की परीक्षा में अच्छी रैंक लाने वालों को ही इसमें प्रवेश दिया जाता है। पढ़ाई के बाद यहां पर कई कॉर्पोरेट कंपनियां लीगल एडवाइजर को हायर करने के लिए आती हैं।

वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जुर्डिशियल साइंस

5 वर्षीय वकालत की पढ़ाई के लिए वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जुर्डिशियल साइंस में भी एडमिशन ले सकते हैं। इस कॉलेज का 6वां स्थान है। अगर आप भी यहां पर एडमिशन लेना चाहते हैं, तो ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर डिटेल्स चेक कर सकते हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लॉ फैकल्टी से पढ़े हुए स्टूडेंट्स की इंडस्ट्री में भारी डिमांड है। अगर आप 12वीं पास हैं और 5 वर्षीय वकालत करना चाहते हैं, तो यह कैम्पस आपके लिए बढ़िया विकल्प हो सकता है। बीएएलएलबी के 5 वर्षीय कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं। फीस आदि से जुड़ी जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट से चेक किया जा सकता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी खड़गपुर

ये कॉलेज भी वकालत की पढ़ाई के लिए बेस्ट है। यहां पर तीन वर्षीय वकालत की पढ़वाई करवाई जाती है। तीन वर्ष के लिए छात्रों को 335000 रुपए फीस देनी पड़ती है। अधिक जानकारी छात्र ऑफिशियल वेबसाइट पर भी चेक कर सकते हैं।

नेशनल अकादमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी

नेशनल अकादमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी का स्थान तीसरा है। यहां पर 5 वर्षीय वकालत में प्रवेश दिया जाता है। ऐसे में जो छात्र 12वीं पास हैं, वे इसमें एडमिशन ले सकते हैं। हालांकि, क्लैट की परीक्षा में जिनकी अच्छी रैंक आती है, उन्हें ही प्रवेश दिया जाता है।

राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटियाला

वकालत की पढ़ाई के लिए आप राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटियाला में भी प्रवेश ले सकते हैं। यह कैम्पस कई एकड़ में फैला हुआ है। वकालत की पढ़ाई के बाद यहां पर आसानी से प्लेसमेंट हो जाता है। अधिक जानकारी अभ्यर्थी ऑफिशियल वेसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं।

बीडीओ और सीडीओ में क्या होता है अंतर? कैसे मिलती है यह नौकरी

आपने बीडीओ और सीडीओ जैसे पद के नाम तो जरूर सुने होंगे। इन पदों पर तैनात ऑफिसर कभी न कभी आपके काम भी आते होंगे। तो चलिए बीडीओ और सीडीओ में के बीच अंतर को जान लेते हैं।

आप लोगों ने आए दिन अपनी रोजमर्रा की जिदंगी में बीडीओ और सीडीओ जैसे पद के नाम सुने होंगे। इन पदों पर तैनात ऑफिसर कभी ने कभी आपके काम आते होंगे। हालांकि बीडीओ और सीडीओ में क्या फर्क है इसे लेकर लोगों के अंदर काफी कंफ्यूजन होता है। दोनों में से किसके पास ज्यादा पावर होता है इसकी भी जानकारी लोगों के पास नहीं होती है। ऐसे में आज हम आपको बीडीओ और सीडीओ दोनों में फर्क बताएंगे। साथ ही दोनों के कार्यों के बारे में भी जानेंगे। इसी के साथ आइए जानते हैं- बीडीओ और सीडीओ में कौन कितना पावरफुल है।

क्या है बीडीओ और सीडीओ में फर्क

बीडीओ का मतलब ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर होता है। इनका काम ब्लॉक के अंतर्गत विकास संबधित प्रोग्रामों के कार्यन्वयन की देखरेख करना है। वहीं दूसरी ओर चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर जिले के सभी ब्लॉकों के योजनाओं के डेवलपमेंट की निगरानी और देखरेख करना है। बीडीओ की नियुक्ति राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। दूसरी ओर सीडीओ पद की नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है।

बीडीओ के कार्य

ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर राज्य का एक सरकारी ऑफिसर होता है, जो किसी ब्लॉक के विकास और गतिविधियों के लिए कार्य करता है। उसके पास ही विकास और अन्य गतिविधियों की जिम्मेदारी होती। बीडीओ का पद पंजायती राज्य व्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। बीडीओ के विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के विकास के लिए काम करता है। यह प्रशासन के लिए जिम्मेदार होते हैं। बीडीओ ब्लॉक समिति के सदस्य होते हैं। किसी जिले के सभी बीडीओ भी जिला पंचायत या जिला परिषद का हिस्सा होते हैं।

सीडीओ के कार्य

चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर भारतीय राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में एक एडमिनिस्ट्रेटिव पद के रूप में जाना जाता है। सीडीओ राज्य और केंद्र सरकारों की गरीबी उन्मूलन और बेसिकक स्ट्रक्चर के निर्माण की विभिन्न डेवलपमेंट स्कीम की देखरेख करना है। सीडीओ जिलाधिकारी के सुपरविजन और कंट्रोल में काम करते हैं। सीडीओ के अंतर्गत आने वाले सभी ब्लॉक के विकास से संबधित सभी कार्यों की निगरानी करता है।

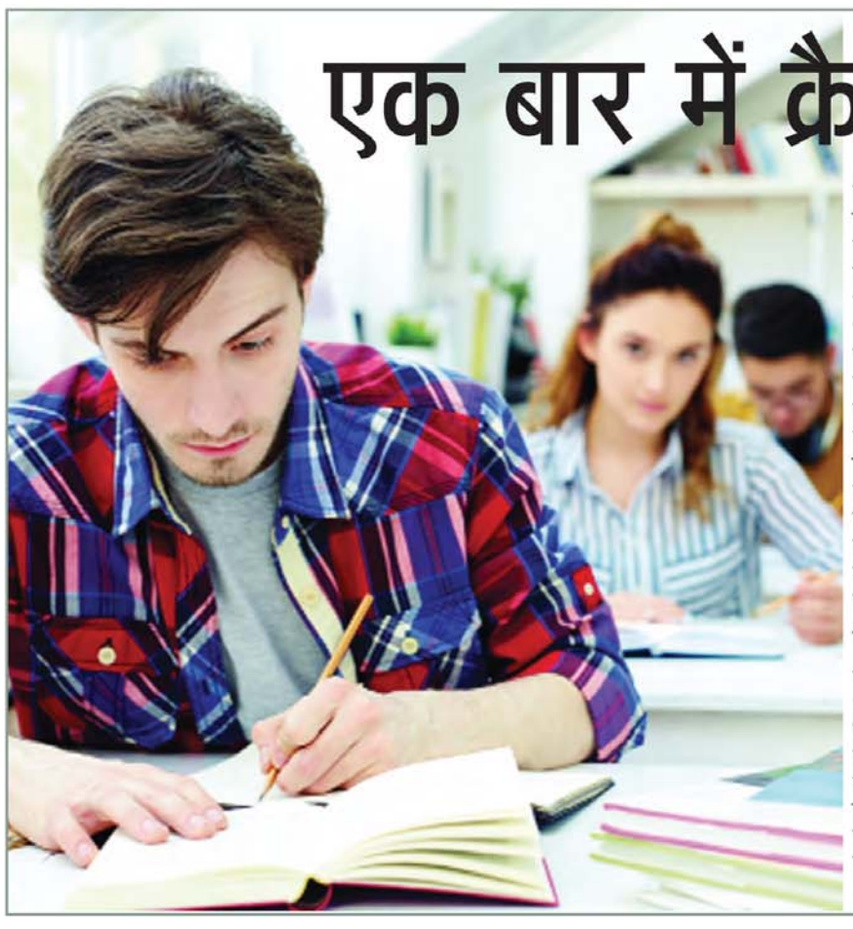

एक बार में क्रैक होगा गेट, ऐसे करें तैयारी

गेट को ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग कहा जाता है। ये एक राष्ट्रीय स्तर की इंजीनियरिंग एंट्रेंस परीक्षा है और कई छात्र M.Tech एडमिशन या PSU भर्तियों में शामिल होने के लिए इस परीक्षा में भाग लेते हैं। चूंकि कम्पटीशन लेवल काफी हाई है इसलिए उम्मीदवारों को पता होना चाहिए कि गेट की तैयारी कैसे करें। अपने टाइम टेबल को रिशेड्यूल करें। अब इसमें ऐसे विषय पहले रखें जो सरल और जरूरी हैं। इसकी शुरुआत आप गणित और एक बेसिक टेक्निकल सब्जेक्ट से कर सकते हैं। टॉपिक पढ़ते समय साथ में ही रिवीजन के लिए नोट्स बनाते जाएं। इसमें मुख्य परिभाषा, फार्मूला आदि लिखते जाएं। सभी टॉपिक पढ़ने के बाद उसके अनुसार ही पिछले सालों के गेट के पेपर सोल्व करें।

सभी विषयों को बराबर समय दें

परीक्षा तैयारी के दौरान एक ही विषय पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने के बजाय, सभी विषयों के बीच अपने समय को समान रूप से विभाजित करके तैयारी करें। सभी विषयों को एक व्यवस्थित तरीके से तैयार करें तो बेहतर रहेगा। इसके लिए एक समय सीमा तय करें और उस समय से पहले अपने सभी विषयों को समाप्त करने का प्रयास करें।

रिवीजन नोट्स जरूर बनाएं

अपने सिलेबस को पढ़ते समय रिवीजन नोट्स जरूर बनाएं। अंतिम समय में परीक्षा तैयारी के दौरान यही नोट्स आपका सबसे ज्यादा साथ देंगे। इन रिवीजन नोट्स को हफ्ते में एक बार पढ़ें, इससे आपके तैयार सब्जेक्ट के कांसेप्ट भी आपको याद आते जायेंगें। अंतिम समय में इन नोट्स के माध्यम से जैसे-जैसे किसी टॉपिक या विषय को आप रिवाइज करते जाएंगे, वैसे वैसे आपको रिवीजन में कम समय लगेगा और कॉन्सेप्ट क्लियर हो जाएंगे।

रिवीजन जरूर करें

गेट परीक्षा की तैयारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण फैक्टर्स में से एक है रिवीजन। आपको विभिन्न टॉपिक्स और चैप्टर्स को रिवाइज करने के लिए पर्याप्त समय देना चाहिए ताकि सब कुछ माइंड में फ्रेश रहे। अपने डेली स्टडी शेड्यूल में से कुछ घंटे रिवीजन के लिए दें, क्योंकि इससे आपको टॉपिक्स को और अच्छी तरह समझने में मदद मिलेगी। इससे आपको यह भी पता चलेगा कि आपने जिन सब्जेक्ट्स और चैप्टर की स्टडी की उनमें से कितने आपको अच्छी तरह से याद हैं। इसलिए रिवीजन बार-बार करनी चाहिए।

मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र सॉल्व करें

गेट परीक्षा के एक्चुअल एग्जामिनेशन को जानने व समझने के लिए कैंडिडेट्स को ज्यादा से ज्यादा मॉक टेस्ट और पिछले साल के पेपर्स व प्रैक्टिस पेपर्स को अटेम्प्ट करना चाहिए। उम्मीदवार ध्यान दें कि, सभी टॉपिक पढ़ने के बाद टॉपिक के अनुसार पिछले सालों के गेट के पेपर सॉल्व करें। हर टॉपिक और विषय के अनुसार क्विज और टेस्ट दें। यह उम्मीदवारों को उनकी परफॉर्मेंस को एनालाइज करने और उनके कमजोर क्षेत्रों में सुधार करने में मदद करते हैं।

आखिरी चरण में रिवीजन

यह प्लान अंतिम सप्ताह का है। इस समय आपको रिवीजन और प्रैक्टिस दोनों को समय देना होगा। ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस टेस्ट दें। हर टेस्ट के बाद देखें कौन से टॉपिक में आप कमजोर है, उसके बाद उसका रिवीजन अच्छे से करें। इस समय आपको रोजाना 2-5 प्रैक्टिस टेस्ट देने होंगें, साथ ही प्रैक्टिस के दौरान सारे कांसेप्ट याद रखें। इस चरण में आपका आत्मविश्वास दिन पे दिन बढ़ता जायेगा।

अंतिम समय में न पढ़े नया टॉपिक

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि अंतिम समय में किसी भी नए टॉपिक को बिल्कुल भी न पढ़े। इस दौरान आप अपने नोट्स के माध्यम से सिर्फ रिवीजन करें। अच्छा खाना खाएं और पूरी नींद लें। किसी भी तरह का मानसिक दबाव बिल्कुल न लें।

तय समय पर रिलीज नहीं होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम? अनिरुद्ध रविचंदर बने फिल्म में देरी की वजह

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। हालांकि, अब लगता है कि फिल्म की रिलीज पर संकट आ गया। फिल्म की रिलीज में हो सकती है देरी विजय देवरकोंडा ने जर्सी के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ किंगडम के लिए हाथ मिलाया। यह फिल्म एक साल से अधिक समय से बन रही है और 30 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन ताजा चर्चा के अनुसार, किंगडम की रिलीज को टाला जा सकता है। इसके कई कारण हैं, लेकिन फिल्म के साथ सबसे बड़ी समस्या संगीत है।

इस वजह से फिल्म में हो रही देरी

अनिरुद्ध किंगडम के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और उन्हें अभी बैकग्राउंड स्कोर तैयार करना है। उन्हें अभी बहुत सारा काम पूरा करना है, और चूंकि वे कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें विजय की फिल्म के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। ओटीटी प्ले के अनुसार, निर्माता थोड़े चिंतित हैं, क्योंकि उन्होंने किंगडम के लिए भारत भर में व्यापक प्रचार की योजना बनाई है और यदि वे तारीख से चूक जाते हैं तो उन्हें अगस्त 2025 की ओर देखना होगा, क्योंकि मई और जून में अन्य तेलुगु बड़ी फिल्में रिलीज होंगी।

फिल्म का एक शेड्यूल भी है बाकी

निर्माता नागा वामसी ने अपने कई साक्षात्कारों में खुलासा किया कि अनिरुद्ध एक ऐसे संगीतकार हैं, जो दबाव में काम नहीं करते और अपनी शर्तों पर काम पूरा करते हैं। साथ ही फिल्म का एक छोटा सा शेड्यूल हैदराबाद में शूट किया जाना है। दूसरी ओर विजय देवरकोंडा फिल्म के लिए अपनी डबिंग का काम पूरा करने में व्यस्त हैं और अन्य पोस्ट-प्रोडक्शन औपचारिकताएं भी तेजी से चल रही हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट में देरी होने की संभावनाओं पर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

नेपो किड्स पर नुसरत ने साधा निशाना

हाल ही में अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने अपने सिनेमाई संघर्षों के बारे में बात की और नाखुश दिखीं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे जान-पहचान वालों के लिए सिनेमा में जगह बनाना आसान हो जाता है। साथ ही उन्होंने बताया कि निर्देशकों से एक बार मिलने के लिए उन्हें बहुत संघर्ष करने पड़े थे। जानिए पूरी खबर।

नुसरत भरूचा ने क्या कहा?

अभिनेत्री नुसरत भरूचा इस समय अपनी फिल्म छोरी 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान वह शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पहुंची, जहां उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा कि उन लोगों को इंडस्ट्री से बहुत फायदा होता है, जिन्हें लोग पहले से पहचानते हैं या फिर उनके माता-पिता को जानते हैं। जान-पहचान की वजह से वो लोग उस जगह पर पहुंच जाते हैं, जहां इंडस्ट्री में नए एक्टर्स नहीं पहुंच पाते हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने बताया कि वो उन दरवाजों पर दस्तक दे सकते हैं, जिन्हें नए या अनजान लोगों को पता नही होता है, जिस कारण वह आसानी से अपने लक्ष्य की ओर पहुंच जाते हैं। इसी वजह से उन लोगों को काम आसानी से मिल जाता है।

अभिनेत्री ने अपने संघर्ष की सुनाई कहानी

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बताया कि उन्हें किसी फिल्म निर्माता या निर्देशक से मिलने के लिए भी बहुत संघर्ष करने पड़ते थे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह किसी को नेपो किड्स नहीं कहना चाहेंगी, क्योंकि सबके अपने-अपने संघर्ष हैं। वहीं, उन्होंने कुछ नामों का भी जिक्र किया, जिन्होंने अभिनेत्री के मुश्किल दिनों में उनकी सहायता की। नुसरत ने बाताया कि निर्देशक कबीर खान ने उन्हें मिलने का समय दिया और उनका दिन बन गया था, इस वजह से वह कई दिनों तक खुश रही थी।

नुसरत भरूचा का वर्कफंट

अगर नुसरत भरूचा के वर्कफंट की बात करें तो वह इस समय अपनी फिल्म छोरी 2 में व्यस्त हैं, जो हाल ही में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। वहीं, फिल्म में भरूचा के अलावा सौरभ गोयल, सोहा अली खान, कुलदीप सरीन और पल्लवी अजय शामिल हैं।

रोहित शेट्टी-जॉन अब्राहम की फिल्म में तमन्ना की एंट्री

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों ओडेला 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई है। वहीं, अब अभिनेत्री की नई फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ऐसा लगता है कि तमन्ना भाटिया को कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट मिल गए हैं। हाल ही में अभिनेत्री अनीस बज्मी की नो एंट्री 2 में अपनी कास्टिंग की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में रहीं और आज, 19 अप्रैल को कहा जा रहा है कि वह कथित तौर पर रोहित शेट्टी की आगामी प्रोजेक्ट के लिए तैयार हो गई हैं। चर्चा है कि तमन्ना को जाहिर तौर पर फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ कास्ट गया है, जिसे एक मनोरंजक एक्शन ड्रामा बताया जा रहा है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया पर आधारित होने की संभावना है। पीपिंगमून की रिपोर्ट के अनुसार, तमन्ना प्रीति मारिया की भूमिका निभाती नजर आ सकती हैं, जबकि जॉन राकेश मारिया का किरदार निभा सकते हैं। सूत्र का हवाला देते हुए रिपोर्ट में फिल्म की कहानी के बारे में बताया गया। कहा गया कि तमन्ना का किरदार यानी प्रीति, राकेश (जॉन अब्राहम) के लिए हमेशा ताकत का स्तंभ रही हैं, जिन्होंने उनके करियर के सबसे खतरनाक और चुनौतीपूर्ण पलों में उनका साथ दिया और शहर को आतंकवादियों से बचाने के दौरान उनके परिवार की देखभाल की। उनकी भूमिका उनकी कहानी का अभिन्न अंग है और तमन्ना इस किरदार को जीवंत करने के लिए रोमांचित और सम्मानित महसूस कर रही हैं। अगर तमन्ना वाकई इस किरदार के लिए चुनी जाती हैं तो रोहित शेट्टी की इस फिल्म में जॉन के साथ उनकी दोबारा ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। पिछले साल उन्होंने निखिल आडवाणी की फिल्म वेदा में जॉन की पत्नी के रूप में कैमियो किया था। बता दें कि रोहित की आने वाली फिल्म राकेश मारिया की की आत्मकथा लेट मी से इट नाउ पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग 18 अप्रैल को मुंबई में शुरू हुई थी। और शहर में 40 स्थानों पर इसकी शूटिंग होने की उम्मीद है।

प्रियदर्शन की फिल्म में इस भूमिका में नजर आएंगे सैफ अली खान

कई दिनों से खबरें आ रही थीं कि अभिनेता सैफ अली खान निर्देशक प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित आगामी थ्रिलर फिल्म में एक अंधे व्यक्ति की भूमिका निभाएंगे। यह पहली बार होगा जब सैफ अली खान निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करेंगे। वहीं, अब सैफ अली खान ने खुद इस खबर की पुष्टि कर दी है कि वह प्रियदर्शन के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में सैफ अली खान ने पुष्टि की, हां, मैं प्रियदर्शन के साथ अगली फिल्म कर रहा हूं। मैं एक अंधे व्यक्ति की भूमिका निभा रहा हूं। बहुत रोमांचक है। मुख्य रूप से अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले प्रियदर्शन ने इस फिल्म के साथ थ्रिलर जॉनर में उतरने का फैसला लिया है। प्रियदर्शन ने की सैफ की तारीफ प्रियदर्शन ने सैफ के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए कहा कहा, मुझे हमेशा से सैफ की स्क्रीन उपस्थिति पसंद रही है। मैं उनके साथ कुछ उपयुक्त काम करने का इंतजार कर रहा था। यह फिल्म प्रियदर्शन की मलयालम क्लासिक ओप्पम की रीमेक होगी, जिसमें मोहनलाल ने एक अंधे चौकीदार की भूमिका निभाई थी, जो एक सीरियल किलर से भिड़ जाता है। सैफ अली खान की आने वाली फिल्में इस थ्रिलर से पहले सैफ अली खान नेटफ्लिक्स की फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ जयदीप अहलावत भी हैं, जो 25 अप्रैल को रिलीज होगी।

डांस आधारित प्रोजेक्ट पर काम करना चाहती हैं सुम्बुल तौकीर

टीवी सीरियल काव्या एक जज्बा एक जुनून फेम सुम्बुल तौकीर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी एक्टिंग और डांस वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। उन्हें एक्टिंग जितनी पसंद है, उससे कहीं ज्यादा डांस की दीवानी हैं। यही वजह है कि एक्ट्रेस ने डांस पर आधारित फिल्म में काम करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह डांस थीम पर आधारित फिल्म, सीरीज या यहां तक कि रियलिटी शोज भी करना चाहती हैं। सुम्बुल ने कहा, मैं डांस पर आधारित फिल्म, सीरीज या यहां तक कि रियलिटी शो करना पसंद करूंगी। यह मेरे लिए सिर्फ एक कला नहीं बल्कि एक एहसास है। यह मेरे लिए सुकून है। अकेलापन हो या खुशी का अवसर, डांस मेरे लिए एक खास दोस्त की तरह है। एक्ट्रेस ने कहा, मेरी जिंदगी में कई बार ऐसा वक्त भी आया, जब न तो किसी का साथ काम आया और न ही शब्द, एक डांस ही था, जिसने मुझे संभाले रखा। जब मैं डांस करती हूं, तो मुझे एक अलग ही सुकून मिलता है। मैं खुद को आजाद महसूस करती हूं। मैं एक ऐसा किरदार निभाना चाहूंगी, जो डांस के जरिए कहानी बयां करे। यह दिल से जुड़ा एक खास एहसास है। मैं हर धड़कन को महसूस करना चाहती हूं, हर पल को जीना चाहती हूं। अगर ऐसा कोई प्रोजेक्ट मेरे पास आता है, तो यह मेरी प्रार्थनाओं का असर होगा। सुम्बुल तौकीर ने सोनी लिव के हिट शो इमली से घर-घर में पहचान बनाई। इसके अलावा, उन्होंने काव्या- एक जज्बा, एक जुनून, बालवीर, गंगा, वारिस जैसे टीवी सीरियल्स में भी काम किया। वह रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी नजर आई। उन्होंने आयुष्मान खुराना की फिल्म आर्टिकल 15 में सहायक कलाकार के तौर पर काम किया।

तुम्हें दिल्लगी को रीक्रिएट करना मेरे लिए सम्मान और चुनौती की बात

फिल्म रेड 2 के निर्माताओं ने शनिवार को अपना नया गाना तुम्हें दिल्लगी रिलीज किया, यह नुसरत फतेह अली खान के प्रतिष्ठित क्लासिक का रीक्रिएशन है। गायक जुबिन नौटियाल ने कहा कि इस गाने को फिर से बनाना एक सम्मान और चुनौती भरा काम था। जुबिन नौटियाल ने कहा कि तुम्हें दिल्लगी हमेशा से उन गीतों में से एक रहा है जो मेरे साथ रहा है। बचपन से अब तक मैं नुसरत साहब के इस जादुई गीत का आनंद ले रहा हूं।

संगीतकार रोचक कोहली ने इस गाने को तैयार किया है और नौटियाल की आवाज में इसे जीवंत किया गया है। गाने के बोल मनोज मुंतशिर और पुरनम इलाहाबादी ने लिखे हैं। नौटियाल ने कहा कि इस संस्करण में एक गहरी तड़प है, जिसे मैंने हर नोट के माध्यम से समेटने की कोशिश की है। यह दो लोगों के बीच की खामोशियों और अनकहे भावनाओं को व्यक्त करता है। एक ऐसे गाने को फिर से बनाना, जिसे मैंने लंबे समय से पसंद किया, मेरे लिए सम्मान और चुनौती दोनों से भरा था। ये गीत अजय देवगन और वाणी कपूर पर फिल्माया गया है जो दोनों के बीच के रिश्ते को उजागर करता है। संगीतकार रोचक कोहली कहते हैं कि तुम्हें दिल्लगी जैसी क्लासिक फिल्म को फिर से प्रस्तुत करना एक जिम्मेदारी की भावना के साथ आया। उन्होंने कहा कि मूल गीत में गहरी भावनात्मक ताकत है और मेरा उद्देश्य इसे सम्मान देना था, साथ ही इसे रेड 2 की 80-90 के दशक की दुनिया में फिट होने वाली बनावट देना था। यह सिनेमाई संदर्भ के साथ पुरानी यादों को मिलाने के बारे में है जो ताजा तो लगता है, लेकिन भावनाओं में गहराई से निहित है। राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित, रेड 2 में रितेश देशमुख, सुप्रिया पाठक, सौरभ शुक्ला और अमित सियाल भी हैं। भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत की गई है और यह पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित है। यह 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमरान हाशमी ने बताया कैसी फिल्में बनाने की है जरूरत

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। कश्मीर से लेकर मुंबई तक में फिल्म की स्क्रीनिंग की जा रही है और पूरी टीम फिल्म के प्रचार में जुटी है। इस बीच इमरान हाशमी ने सिनेमा की दुनिया में प्रासंगिक बने रहने या नए निर्माताओं के साथ काम करने के लिए क्या करना चाहिए इस पर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि युवाओं को समझना और उनसे सीखना मौजूदा वक्त में बने रहने के लिए बहुत जरूरी है। हाल ही में बातचीत में इमरान हाशमी ने नए लोगों के साथ काम करने के लिए किस तरह से संतुलन बनाना जरूरी है, इसको लेकर बात की। अभिनेता ने कहा, जब आप एक निश्चित उम्र पार कर लेते हैं, जब नए तरह के अभिनेता और फिल्म निर्माता आते हैं, तो प्रासंगिकता और उनसे जुड़ना बहुत जरूरी हो जाता है। उनसे सीखना बहुत जरूरी है, क्योंकि मुझे लगता है कि प्रासंगिकता इसी के बारे में है। एक कलाकार के तौर पर इमरान ने कहा कि उन्हें चीजों को बदलना और खुद को चुनौती देना पसंद है। अभिनेता ने कहा, जब मैंने 2017-2018 में 'बार्ड ऑफ ब्लड' किया, तो वह एक बदलाव था। अगर मैं सिर्फ पीछे की ओर जा रहा था और मैं ऐसा सोच रहा था कि मैं वही करता रहूंगा जो मैं करता हूं, तो यह प्रासंगिकता के लिए प्रतिकूल है। इंडस्ट्री एक अलग चरण से गुजर रही है जहां हमें अपनी फिल्मों के प्रकार पर फिर से सोचने जरूरत है। ऐसी फिल्में बनाएं जो थोड़ी अधिक जड़ें जमाए हुए हों और दर्शकों के लिए पूरे भारत की भावना को सामने लाएं।

परिवहन विभाग को डग्गामार बसों पर रोक लगाने के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश अठारहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (वर्ष 2024-25) की प्रथम उप समिति की बैठक गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति एवं मेरठ कैंट से विधायक अमित अग्रवाल ने की। बैठक में समिति सदस्य डॉ. मंजू शिवाच, रवेंद्र पाल सिंह, शाहिद मंजूर, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे तथा विभिन्न विभागों एवं प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में परिवहन, चिकित्सा स्वास्थ्य, ऊर्जा, खाद्य एवं रसद, लोक निर्माण, नगर विकास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास (यूपीडा,यमुनाएक्सप्रेसवे, नोएडा, ग्रेटर नोएडा), ग्राम्य विकास, पर्यटन, स्टांप एवं पंजीकरण, आवास एवं शहरी नियोजन, राज्य कर, समाज कल्याण एवं सिंचाई विभागों की योजनाओं और बजटीय प्रावधानों की गहन समीक्षा की गई।

परिवहन विभाग को डग्गामार बसों पर रोक लगाने और जनपद में सिटी बस सेवा प्रारंभ करने के निर्देश दिए गये। स्वास्थ्य विभाग को बजट के सापेक्ष व्यय में लापरवाही पर 15 दिन में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश तथा विद्युत विभाग को बड़े बकायेदारों से वसूली और हिंडन क्षेत्र में प्रीपेड मीटर लगाए जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही प्राधिकरण से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों की जो भी समस्या प्राधिकरण से संबंधित है उनके संज्ञान लेते हुए तत्काल उनके निस्तारण सुनिश्चित करायें। बैठक के उपरांत सभापति द्वारा पहलगाम में जान गंवाने वाले पर्यटकों को श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन रखा गया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पहलगाम में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक में पहलगाम जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा मारे गए हिंदू परिवार को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च निकला गया जिसमें सभी महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल हुए सभी निवासियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए सरकार से आतंकियों को करारा जवाब देने की मांग की गई।

महासचिव गोपाल शर्मा ने कहा पहलगाम में आतंकी हमले ने झकझोर दिया है। धर्म पूछकर निर्दोष लोगों की हत्या देश के लिए अस्वीकार्य। खास तौर पर भारत इसे कतई स्वीकार नहीं करता। इस दौरान आरडब्लूए प्राधिकारी व अन्य लोग भी मौजूद रहे ।

पहलगाम आतंकी हमले पर ब्राह्मण समाज महासंघ का फूटा गुस्सा

नोएडा (चेतना मंच)। पहलगाम में आतंकवादी हमले से प्रभावित लोगों के प्रति ब्राह्मण समाज महासंघ ने गहरी संवेदनायें व्यक्त

अब पाकिस्तान का भूगोल बदलना होगा

की हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव लोकेश त्रिपाठी तथा कोषाध्यक्ष अरूण मिश्रा ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। संगठन का आरोप है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 हिन्दुओं का नरसंहार किया गया। धर्म पूछकर

गोली मारी आतंकवादियों ने कलमा पढाया। संगठन ने दावा किया है कि साफ हो गया है कि धर्म विशेष का आतंकवाद है। आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता, यह दोगलापन अब और नहीं चलेगा।

देश का हिन्दू सरकार के साथ है और सरकार से कहना चाहता है कि हमें बदला चाहिए। साथ ही POK वापस लिया जाय और जम्मू कश्मीर में पर्यटन के लिए व्यापार के लिए या कोई अन्य कार्य के लिए बाहरी राज्यों से लोग आएँ तो उनको आत्मरक्षा के लिए एक दिन की ट्रेनिंग देकर छोटे हथियार दिए जाएं।

पाकिस्तान का पुतला फूंका, आतंकियों से बदला लेने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में आतंकवादी विरोधी मोर्चा उत्तर प्रदेश ने पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पंडित और संयोजक गुलशन शर्मा के नेतृत्व में नोएडा स्थित कार्यालय के पास आतंकी देश पाकिस्तान का पुतला फूंका और इस दानव देश के खिलाफ भारत सरकार से हमले के विरोध में कड़ी कार्रवाई की मांग की।

प्रभारी राजेंद्र पंडित ने कहा की धारा 370 हटाने के बाद जम्मू कश्मीर क्षेत्र में शांति आई और यह धीरे-धीरे विकास कार्यों से आगे बढ़ रहा था और लगातार इस प्रदेश में पर्यटक बढ़ रहे हैं। यह तरक्की पाकिस्तान में बैठे आतंक के सरगनाओ को अच्छी नहीं लग रही और वहीं से देश के दुश्मनों ने यह चाल चली और निर्दोष दो दर्जन से अधिक पर्यटकों की निर्मम हत्या की गई। उत्तर प्रदेश संयोजक गुलशन शर्मा ने कहा भारत सरकार को इसका मुंहतोड़ जवाब शीघ्र देना चाहिए और उसके घर में घुसकर आतंकियों को मारना चाहि। इस दौरान संगठन के लोगों ने पाकिस्तान का पुतला भी जलाया।

इस अवसर पर (एड़.) ध्रुव शर्मा, हिमांशु शर्मा, आशीष शर्मा, रजत शर्मा एडवोकेट नगर अध्यक्ष नोएडा, कपिल सिंह, जिला अध्यक्ष हरवीर यादव, राजन, सलीम रामगढ़, कालू शर्मा, सजील ख़ान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय किसान संगठन ने फूंका पाकिस्तान का पुतला

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-52 तिराहे पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने

पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। उसके विरोध में भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र यादव के नेतृत्व में आतंकियों और पाकिस्तान का पुतला दहन किया गया।

इस मौके पर राजेन्द्र यादव ने कहा कि दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर गोली मार दी। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने देश को हिंदू मुस्लिम में बांटने के लिए देश के खिलाफ बड़ी साजिश की है। आतंकियों का कोई मजहब नहीं होता है।

भारतीय किसान संगठन इस हमले की कड़ी निंदा करता है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करता है कि इस हमले के जवाब में कार्यवाही करके एक ऐसी मिसाल पेश की जाए ताकि भविष्य में कोई भी आतंकी संगठन ऐसा करने से पहले करोड़ों बार सोचे।

इस मौके पर रहीसुद्दीन, सुरेन्द्र वशिष्ठ, राहुल, दीपक चड्ढा, इरफान, सागर, मोमीन, विपुल,विष्णु, शमशाद, अशोक आदि लोग मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज की पुरजोर मांग, अनुराग कश्यप को 'भेजो जेल'

नोएडा (चेतना मंच)। पूरे देश के साथ ही नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में भी ब्राह्मण समाज में

भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के दादरी नगर में अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। ब्राह्मण समाज के द्वारा यह विरोध प्रदर्शन फिल्म प्रोड्यूसर अनुराग कश्यप द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों ने अनुराग के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किए जाने की मांग रखी। जिसे लेकर समाज के लोगों द्वारा अपनी मांगों का एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम दादरी को सौंपा। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने किया।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के कार्यकर्ता ग्रेटर नोएडा के दादरी नगर में जारचा रोड स्थित पंडित मांगेराम शर्मा के यहां एकत्र हुए। जहां से ब्राह्मण समाज के सभी लोग अनुराग कश्यप मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए दादरी बाजार में जुलूस निकालते हुए दादरी तहसील पहुंचे। जहां प्रदर्शनकारियों द्वारा जमकर फिल्म प्रोड्यूसर अनुराग कश्यप के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि फिल्म प्रोड्यूसर अनुराग कश्यप ने ब्राह्मण समाज के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी करते हुए अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को तत्काल अनुराग कश्यप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी करनी चाहिए।

इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश महामंत्री मास्टर परमानंद शर्मा, कार्यकारी जिलाध्यक्ष उमेश शर्मा, जिला महामंत्री रामकुमार शर्मा, जेवर अध्यक्ष हरीश शर्मा, रामदत्त शर्मा पूर्व प्रधानाचार्य, मंडल अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ गायत्री तिवारी, महामंत्री पूजा शर्मा, अंकिता शर्मा, नगर अध्यक्ष मांगेराम शर्मा, अनिल शर्मा, डालचंद शर्मा, अमित शर्मा, मनोज शर्मा, अशोक पंडित, संजय शर्मा पूर्व पार्षद, परमानंद शर्मा खेड़ा, चंद्रभान शर्मा, दिनेश शर्मा, वीपी शर्मा एडवोकेट, धनेश शर्मा एडवोकेट आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

छात्रों को आरटीआई कानून की बारीकियों को समझाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेसवे स्थित गलगोटिया विविद्यालय में समाजसेवी डॉ. रंजन तोमर ने आरटीआई कानून पर एक विस्तृत व्याख्यान विधि के छात्रों को दिया। उन्होंने आरटीआई कानून 2005 की बारीकियों समेत कैसे आरटीआई दाखिल की जा सकती है, किस प्रकार ऑनलाइन एवं ऑफ लाइन दोनों माध्यमों से आरटीआई से सवाल पूछे जा सकते हैं। प्रथम अपील एवं द्वितीय अपील कैसे लगाई

जाए इस बाबत जानकारी विधि के छात्रों को एक पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी।

डॉक्टर तोमर ने छात्रों को सामाजिक बदलाव का सारथी कैसे बनें। आरटीआई के माध्यम से समस्याओं का चुनाव, मीडिया का साथ लेकर सरकारी उपक्रमों को जवाबदेह बनाना, सामाजिक कार्यों को करवाना, सरकारी वेबसाइट जैसे सीपीग्राम पोर्टल, मुख्यमंत्री पोर्टल आदि से कैसे समस्याओं को बड़े अधिकारियों तक पहुँचाया जाए यह जानकारियां साझा की।

इस दौरान आयोजनकर्ता समिति लीगल ऐड क्लिनिक एवं प्रो बोनो क्लब ऑफ स्कूल ऑफ लॉ, गलगोटिया यूनिवर्सिटी की तरफ से हर्ष कुमार, डॉक्टर प्रियंका घई, हिफ्जा एवं संजना उपस्थित रहे।

'बंगाल सरकार को बर्खास्त किया जाए'

युवा भारतीय सोशलिस्ट मंच ने राष्ट्रपति से की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। युवा भारतीय सोशलिस्ट मंच के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 11 व 12 अप्रैल को वक्फ कानून के विरोध के दौरान भड़की हिंसा मे मारे गए लोगों के प्रति शोक और आक्रोश व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट का सौंपा गया। साथ ही जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मरे लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हमले में मरे लोगों के परिजनों को दो-दो करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया है कि 11 अप्रैल को सूती ब्लॉक में वक्फ कानून के विरोध में जो प्रदर्शन किया गया था उसमें पुलिस फायरिंग में एजाज नाम के व्यक्ति की मौत हो गई। 12 अप्रैल को सुबह 9 बजे से 2 बजे तक जाफराबाद और शमशेर गंज में खुलेआम हिंसा का दौर चलता रहा जिसमें चिन्हित करके संपत्तियों को लूटा गया और जलाया गया। इसी दौरान हरगोविंद दास और उनके पुत्र चंदन दास को पकड़ कर खुलेआम एक चबूतरे पर चोपड़ से काटकर हत्या कर दी गई। यह सब पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता और सरकार के दबाव में किया गया। भारतीय सोशलिस्ट मंच इस हिंसा की निंदा करता है और मांग करता है कि हिंसा के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

भारतीय सोशलिस्ट मंच ने हिंसा पर सवाल खड़ा किया है कि यह कौन लोग हैं, जिन्होंने वक्फ विरोध के नाम पर हिंसा और लूटपाट की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में देश के भिन्न-भिन्न कोने में कहीं जाति के नाम पर कहीं धर्म के नाम पर आम जनता मारी जा रही है।

पश्चिम बंगाल सरकार का हिंसा फैलाने वालों को मूक समर्थन प्राप्त था। इस प्रकार के हिंसा में हमेशा गरीब और मजदूर आदमी मरता है।

हिंसा में मारे गए मृतक एजाज, हरगोविंद दास और उनका पुत्र चंदन दास बहुत गरीब मजदूर वर्ग से है। भारतीय सोशलिस्ट मंच मांग करता है पश्चिम बंगाल सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए व सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश से पूरे प्रकरण की जांच कराई जाए।

इस मौके पर देवेन्द्र सिंह अवाना,प्रवक्ता चरण सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष यामीन,प्रदेश सचिव सन्नी गुर्जर, विक्की तंवर, गौरव मुखिया,अंशुल यादव,उस्मान भड़ाना, चमन,गौतम कुमार, प्रेम सिंह, प्रियांशू, सौरभ, दीपक कुमार, आनंद, अमरजीत, आशु, अजय, सुधीर, सन्नी, कृष्णा, मुमताज आदि मौजद रहे।